शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 282 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 30 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

शारदीय नवरात्र

अष्टम महागौरी

आज अष्टांग योग की अधिष्ठात्री देवी महागौरी की पूजा-अर्चना होगी। सौभाग्य, धन-संपदा, सौंदर्य और स्त्री जनित गुणों की अधिष्ठात्री देवो महागौरी हैं। भगवान शिव ने मां काली पर गंगाजल छिड़का तो वह महागौरी हो गईं। महागौरी सृष्टि का आधार एवं अक्षत सुहाग की प्रतीक हैं। देवी के इस रूप की पूजा-अर्चना विवाहित महिलाओं को अखंड सौभाग्य का फल प्रदान करती है।

उपासना मंत्र

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सवार्थसाधिके। शरण्येत्रयंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते।

मोदी जी, हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में हुई हिंसा और उसमें 4 लोगों की मौत के बाद एक बार फिर लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केन्द्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया एकाएंट X पर लिखा है कि मोदी जी, हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए। इससे पहले भी राहुल गांधी लद्दाख हिंसा को लेकर केन्द्र सरकार तथा आरएसएस पर निशाना साध चुके हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया एकाएंट X पर लिखा है कि 'पिता फौजी, बेटा भी फौजी- जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी BJP सरकार ने देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो

लद्दाख में हत्याओं की निष्पक्ष जांच हो, लद्दाख के लोग अपना हक मांग रहे हैं

लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आंखें बस एक सवाल कर रही हैं - क्या आज देशसेवा का यही सिला है? हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी ही चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों को धोखा दिया है। वो अपना हक़ मांग रहे हैं, संवाद कीजिए - हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए।

आपको बता दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को लद्दाख में हुए हिंसक प्रदर्शन को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा था। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी। राहुल गांधी ने इसके लिए बीजेपी और आरएसएस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि लद्दाख के लोगों ने सिर्फ अपनी आवाज उठाई। जवाब में बीजेपी ने चार युवाओं की हत्या कर दी और सोनम वांगचुक को जेल में डाल दिया।

राहुल गांधी ने X पर लिखा, 'लद्दाख की अद्भुत जनता, संस्कृति और परंपराएं बीजेपी और आरएसएस के निशाने पर हैं। लद्दाखियों ने अपनी आवाज उठाई, और जवाब में बीजेपी ने चार युवकों को मार दिया और सोनम वांगचुक को कैद कर लिया। हत्या बंद करो। हिंसा बंद करो। डराना-धमकाना बंद करो। लद्दाख को उसकी आवाज दो। उन्हें छठी अनुसूची का अधिकार दो।'

नहीं रहे वी.के.मल्होत्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे 94 साल के थे। उनका जन्म 3 दिसंबर 1931 को लाहौर शहर में हुआ था। वीके मल्होत्रा दिल्ली के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद और सांसद रह चुके हैं। कुछ दिनों से वह एम्स में भर्ती थे। जहां उनका इलाज चल रहा था और आज सुबह लगभग 6 बजे उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। पीएम मोदी ने उनके घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अत्यंत दुख के साथ यह बताना पड़ रहा है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा जी का आज प्रात: आकस्मिक निधन हो गया है। वह 94वें वर्ष के थे।

हमारी पार्टी को मजबूत किया : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट लिखा कि जनसंघ और भाजपा के इतिहास में प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा जैसे दिग्गजों का विशेष स्थान है। उन्होंने दिल्ली में हमारी पार्टी को मजबूत करने के लिए अथक परिश्रम किया। भारतीय संविधान के अपने ज्ञान के लिए व्यापक रूप से सम्मानित, वे एक अनुभवी सांसद थे जिन्होंने जनता के बीच अथक परिश्रम किया। उनके निधन से मुझे गहरा दु:ख हुआ है। उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं।

संगठन को विस्तार देने में भूमिका निभाई : योगी

वीके मल्होत्रा के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक्स पर पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा जी का निधन अत्यंत दु:खद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार डासना जेल से रिहा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। हरियाणवी फिल्मों के मशहूर कलाकार उत्तर कुमार को गाजियाबाद की विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) अदालत से यौन शोषण के मामले में जमानत मिलने के बाद उन्हें गाजियाबाद की डासना जिला कारागार से रिहा कर दिया गया है। उत्तर कुमार को आज सुबह 11 बजे के करीब डासना जेल से रिहा किया गया। यह आदेश उनके जेल में लगभग दस दिन बिताने के बाद आया है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त को दो लाख रुपये के व्यक्तिगत बंधपत्र और समान राशि के दो जमानतदार पेश करने पर रिहा किया जाए।

गाजियाबाद के डासना जिला कारागार से आज उत्तर कुमार को रिहा कर दिया गया। रिहाई के दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक जेल के बाहर मौजूद थे। इस दौरान उत्तर कुमार ने मीडिया से कोई बात नहीं की। आपको बता दें कि उत्तर कुमार पर एक एक्टर्स ने आरोप लगाया था कि उत्तर कुमार ने पेशेवर उन्नति और शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। पुलिस ने मामले में उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि अभियुक्त 55 वर्षीय विवाहित व्यक्ति हैं, उनके दो बच्चे हैं और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। उन्होंने विवेचना में पूरा सहयोग किया और उनके खिलाफ कोई ठोस वैज्ञानिक या इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि पीड़िता बालिग और इंडस्ट्री में अनुभवी है और उसे अभियुक्त की वैवाहिक स्थिति की जानकारी थी। प्राथमिकी दर्ज करने में लगभग दो वर्ष की देरी हुई और इसका कोई ठोस कारण नहीं बताया गया। अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध किया और कहा कि यह मामला गंभीर है और जांच अभी जारी है।

ई-रिक्शा की टक्कर से मासूम बच्ची की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बाजार से सामान खरीद कर पैदल वापस घर आ रही 10 वर्षीय बच्ची की ई-रिक्शा से टक्कर लगने से दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों ने थाना दादरी में ई-रिक्शा चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

अंबेडकर नगर कॉलोनी झुग्गी झोपड़ी दादरी में रहने वाले मोहीदुल आलम ने दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि 28 सितंबर की रात्रि को उनके 10 वर्षीय से बेटी मुफीदा इतवार बाजार से सामान लेकर पैदल घर आ रही थी। इस दौरान तेज गति में आ रहे ई-रिक्शा चालक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मुफीदा गंभीर रूप से घायल हो गई। ई रिक्शा चालक उसे दादरी के सरकारी अस्पताल में उपचार के

लेकर पहुंचा जहां डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलने पर वह भी अस्पताल पहुंच गए और अपनी बेटी को नजदीक के नवीन अस्पताल लेकर गए यहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए उसे शारदा अस्पताल के लिए रेफर किया। परिजन गंभीर हालत में मुफीदा को एंबुलेंस के द्वारा शारदा अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नोएडा प्राधिकरण की 219वीं बोर्ड बैठक तीन को

एसीएस दीपक कुमार करेंगे बैठक की अध्यक्षता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की 219वीं बोर्ड बैठक 3 अक्तूबर को होगी। इस बैठक में पहली बार नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन बने अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार अध्यक्षता करने नोएडा प्राधिकरण में मौजूद रहेंगे।

बोर्ड बैठक सुबह 11.30 बजे सेक्टर-6 स्थित नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में होगी। प्रस्ताव फाइनल करने को लेकर मंगलवार को बैठक होगी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अभी तक तैयार प्रस्तावों में कुछ मुख्य हैं। इनमें अमिताभकांत समिति के अंतर्गत बिल्डरों की तरफ से जमा पैसा और फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री का ब्योरा रखा जाएगा। बकाया नहीं देने वाले बिल्डरों पर कार्रवाई को लेकर मार्गदर्शन मांगा जाएगा। तीनों प्राधिकरण के कामकाम में एकरूपता लाने के लिए बनी यूनिफाइड पॉलिसी में फिर से बदलाव किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि अलग-अलग विभागों की स्कीम के लिए कहीं आवंटन राशि 90 दिन में जमा करना तो किसी में 60 दिन में जमा करने का जिक्र है। इनके अलावा कुछ काम में यूनिफाइड पॉलिसी के अंतर्गत संशोधन किए जाने हैं। नोएडा में 300 टीडीपी क्षमता का एक इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाया जाएगा, जिससे बिजली, खाद और शोधित पानी मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि वाटर मीटर से शुल्क लिए जाने का प्रस्ताव बैठक में रखा जाएगा। जेवर में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए बजट जारी करने समेत अन्य **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

भव्य होगा ऋषिपाल मेमोरियल दंगल

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले 31 वर्षों से प्रतिवर्ष होने वाले स्वर्गीय ऋषिपाल मेमोरियल कुश्ती दंगल का आयोजन इस बार और भव्य होगा। इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर ट्रस्ट के सदस्यों की एक अहम बैठक नोएडा के सेक्टर 15 स्थित नया बांस स्थित कार्यालय पर हुई।

इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारी ने इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए योजना पर विचार किया। दंगल समिति के प्रवक्ता मनीष चौधरी ने बताया कि इस **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

नोएडा में बदला मौसम, बारिश ने दी गर्मी से राहत

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से पड़ रही गर्मी से लोगों को राहत मिली है। भीषण गर्मी की मार झेल रहे दिल्ली-एनसीआर के लोगों को आज (मंगलवार) को थोड़ी राहत मिली है। दिल्ली-एनसीआर में अचनाक मौसम बदल गया और कई इलाकों में हल्की वर्षा भी शुरू हो गई है। नोएडा के कई सेक्टरों में तेज बारिश हुई जिससे लोगों को राहत मिली।

जानकारी के अनुसार, पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में भी हल्की वर्षा हुई। इसके साथ ही दिल्ली के कुछ इलाकों के अलावा नोएडा के सेक्टर-51, 80, 83, 62 व अन्य कुछ सेक्टरों में भी बारिश हुई। जिससे मौसम सुहावना हो गया।

बता दें कि सोमवार को

अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन में तेज धूप रही और हवा भी चली। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर में **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

तमंचा व कारतूस के साथ पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस में अवैध हथियार के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान सर्फाबाद से गोल सिटी की तरफ आ रहा एक युवक पुलिस को देखकर मुड़कर जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे रोकने के लिए आवाज दी तो वह भाग निकला। पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया तलाशी में उसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुआ पूछताछ में पकड़े गए बदमाश से अपना नाम फारूक हक पुत्र अतर अली निवासी पश्चिम बंगाल बताया। आरोपी ने बताया कि वह हाल में गौड सिटी प्लॉट के पास बसी झुग्गी बस्ती में रह रहा है। पकड़े गये आरोपी ने स्वीकार किया कि वह तमंचा लोगों को डराने के लिए अपने पास रखता है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

कार सवार युवकों ने की मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। कार सही से चलाने के लिए कहना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। कार सवार युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। पीड़ित ने थाना सेक्टर-142 में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी में रहने वाले आकाश अचन कुंजु अपने दोस्त कराई रिपोर्ट बताया कि 29 सितंबर को वह अपने भाई शिवम के साथ सुपरटेक इको सिटी के पास दुकान से खाने का सामान लेने के लिए गया था। इस दौरान स्विफ्ट कार में सवार युवक ने उनकी गाड़ी से बिल्कुल सटाकर अपनी कार निकाली। **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

सोसायटी से टोटियां चुराने वाला गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के अम्रपाली गोल्फ होम्स गौर सिटी 2 की सोसाइटी में से टोंटियां चोरी कर ले जा रहे चोर को सिक्योरिटी ऑफिसर ने दबोच लिया। पकड़े गए चोर के पास से प्लास्टिक के कट्टे में स्टील की टोटियां बरामद हुई हैं। **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

यूपीआईटीएस-2025 में रिकॉर्ड तोड़ फुटफॉल दर्ज

अंदाज व सूफी बैण्ड की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोहा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो-2025, जिसने राष्ट्रीय व्यापार कैलेंडर में एक मील के पत्थर के रूप में अपनी जगह मजबूत कर ली है। पाँच दिवसीय यह शो इंडिया एक्सपो सेंटर में एक प्रभावशाली समापन सत्र के साथ संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की। यूपीआइटीएस-2025 में 2,250 से अधिक प्रदर्शकों की उपस्थिति और 5,07,099 से अधिक आगंतुकों की संख्या, जिसमें 1,40,000 से अधिक व्यावसायिक आगंतुक और 3,66,364 आम आगंतुक शामिल थे, जिसे देखते हुये श्री गोयल ने इस संस्करण की ऐतिहासिक सफलता की बधाई दी और कहा कि ट्रेड शो की यह सफलता दूरदर्शी डबल इंजन सरकार के काम का सीधा प्रतिबिंब है। **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो तीसरा संस्करण के अंतर्गत इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। पाँच दिवसीय इस आयोजन में देश-प्रदेश की लोक एवं शास्त्रीय परंपराएँ मंच पर जीवंत हो गयी।

29 सितम्बर, 2025 को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के अंतिम दिन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को अविस्मरणीय बना दिया। लखनऊ के अंदाज बैण्ड एवं शिवम मिश्रा सूफी बैण्ड की मनमोहक धुनों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सोनभद्र के श्री संतोष मादल की सिंहा नृत्य प्रस्तुति ने सभी का हृदय जीत लिया। प्रयागराज के जलज श्रीवास्तव ने कबीर गायन से भक्ति और दर्शन का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया, वहीं नोएडा की सुश्री अनुराधा शर्मा ने अपनी सधी हुई कथक नृत्य प्रस्तुति से **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

कर्ज का बोझ

प्रधानमंत्री मोदी ने 16 जुलाई, 2022 को पहली बार यह संवेदनशील बयान दिया था कि जो दल और नेता 'रेवड़ियां' बांट कर वोट बटोरने में लगे हैं, इनसे एक दिन देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो सकती है। प्रधानमंत्री के कथन के भाव यही थे, बेशक शब्द अलग थे। उसके बाद प्रधानमंत्री ने दसियों बार इस बयान को दोहराया है। प्रधानमंत्री व्यापक संदर्भ में बिल्कुल सही कहते रहे हैं, क्योंकि देश पर करीब 225 लाख करोड़ रुपए के कर्ज का बोझ है। विश्व बैंक ने दुनिया के सबसे कर्जदार देशों का आकलन दिया है। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, लेकिन कर्ज का ब्याज चुकाने में ही 3.25 लाख करोड़ रुपए निकल जाते हैं। यकीनन यह बहुत बड़ी राशि है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने देश पर कर्ज का कभी खुलासा नहीं किया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां सभी के भीतरी यथार्थ जानती हैं। विडंबना यह है कि 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने और अंतत: गठबंधन सरकार का प्रधानमंत्री (कुल तीसरी बार) बनने के बाद वह अपने ही कथन को झुठलाते हुए विभिन्न विधानसभा चुनावों में, राज्य सरकारों द्वारा लगातार 'रेवड़ियां' घोषित करने और बांटने में साझेदार रहे हैं। यह चारित्रिक और वैचारिक विरोधाभास है। ताजातरीन मामला बिहार का है, जहां 'महिला रोजगार योजना' के तहत 10,000 रुपए एकमुश्त प्रधानमंत्री ने 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर किए हैं। अभी 25 लाख और महिलाओं को भी यह राशि दी जानी है। यानी कुल 10,000 करोड़ रुपए प्रधानमंत्री और बिहार की एनडीए सरकार ने उस रणनीति के तहत बांटे हैं, ताकि महिलाओं के अधिकाधिक वोट हासिल किए जा सकें। इस संदर्भ में एक और यथार्थ सामने आया है कि यह राशि या तो बैंक ही कर्ज की किस्त के तौर पर काट लेगा अथवा सूदखोर अपना ब्याज लेने धमक पड़ेगा अथवा कोई और कारण होगा कि बहुधा महिलाएं 'खाली हाथ' ही रहेंगी! इस योजना पर 2.10 लाख करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है। सवाल है कि पैसा कहां से आएगा? पैसा पेड़ों पर उगता है क्या? खुद प्रधानमंत्री मानते रहे हैं, लेकिन ऐसी 'रेवड़ियों' से नागरिकों को 'परजीवी' क्यों बनाया जा रहा है? बिहार में आर्थिक विरोधाभास गजब का है कि राज्य का बजट 3.16 लाख करोड़ रुपए का है और कर्ज 3.70 लाख करोड़ रुपए का है। बीते दिनों अखबारों में हरियाणा सरकार का विज्ञापन छपा था। अब हरियाणा की भाजपा सरकार ने भी करीब 22 लाख 'लाडो लक्ष्मी' को 2100 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की है। हरियाणा सरकार पर भी मार्च, 2025 तक 3.17 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज था। तय है कि कर्ज बढ़ रहा होगा! पंजाब में फरवरी, 2022 में चुनाव हुए थे। तब आम आदमी पार्टी ने प्रत्येक पात्र महिला को 1000 रुपए प्रति माह देने की 'रेवड़ी' की घोषणा की थी। अब सितंबर, 2025 समाप्ति की ओर है, लेकिन 'आप' सरकार अपना वायदा पूरा नहीं कर पाई है, क्योंकि वर्ष 2025-26 में उस पर 4.17 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज का अनुमान है। महाराष्ट्र में भी भाजपा नेतृत्व की सरकार है। वहां चुनावी मुद्दा बना-'लाडली बहिना।' बेशक वहां की सरकार 2100 रुपए प्रति माह पात्र महिलाओं को दे रही है, लेकिन घाटे का बजट होने के कारण 26.34 लाख महिलाओं के नाम काटने पड़े। महाराष्ट्र सरकार पर मार्च, 2026 तक 9.3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज हो सकता है। आकलन है कि देश के 11 राज्य कर्ज लेकर 'रेवड़ियां' बांट रहे हैं। नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था कहां तक जाएगी, आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है। ये कर्जदार राज्य, अंतत:, केंद्र सरकार से पैसा मांगेंगे और केंद्र का भी कर्ज बढ़ता रहेगा। क्या ऐसी अर्थव्यवस्था के साथ भारत विश्व की 'आर्थिक महाशक्ति' बन सकता है? प्रधानमंत्री इस स्थिति पर गौर करें और 'रेवड़ीहीन' राजनीति की पहल खुद करें। बिहार में जो 10,000 रुपए दिए गए हैं, उससे कौनसा रेहड़ी-पटरी वाला धंधा भी शुरू किया जा सकता है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि जिस ब्रह्मा ने सीता को सँवारकर (बड़ी चतुराई से) रचा है, उसी ने विचार कर साँवला वर भी रच रखा है। उसके ये वचन सुनकर सब हर्षित हुईं और कोमल वाणी से कहने लगीं- ऐसा ही हो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो०-हियँ हरषहिं बरषहिं सुमन सुमुखि सुलोचनि बृंद।
जाहिं जहाँ जहँ बंधु दोउ तहँ तहँ परमानंद॥

सुंदर मुख और सुंदर नेत्रों वाली स्त्रियाँ समूह की समूह हृदय में हर्षित होकर फूल बरसा रही हैं। जहाँ-जहाँ दोनों भाई जाते हैं, वहाँ-वहाँ परम आनंद छा जाता है॥

पुर पूरब दिसि गे दोउ भाई। जहँ धनुमख हित भूमि बनाई॥
अति बिस्तार चारु गच ढारी। बिमल बेदिका रुचिर सँवारी॥

दोनों भाई नगर के पूरब ओर गए, जहाँ धनुषयज्ञ के लिए (रंग) भूमि बनाई गई थी। बहुत लंबा-चौड़ा सुंदर ढाला हुआ पक्का आँगन था, जिस पर सुंदर और निर्मल वेदी सजाई गई थी॥

चहुँ दिसि कंचन मंच बिसाला। रचे जहाँ बैठहिं महिपाला॥
तेहि पाछें समीप चहुँ पासा। अपर मंच मंडली बिलासा॥

चारों ओर सोने के बड़े-बड़े मंच बने थे, जिन पर राजा लोग बैठेंगे। उनके पीछे समीप ही चारों ओर दूसरे मचानों का मंडलाकार घेरा सुशोभित था॥ (क्रमश:..)

अमेरिका को लेने के देने पड़ सकते हैं?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दिए अपने एक बयान में साफ़ कहा है कि उनका प्रशासन अफगानिस्तान स्थित बगराम हवाई अड्डे को फिर से अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रहा है। दरअसल, ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस और सोशल मीडिया पर बयान देते हुए तालिबान को चेतावनी दी है कि यदि अफगानिस्तान ने यह एयरबेस अमेरिका को वापस नहीं दिया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इससे सवाल उठता है कि यदि अफगानिस्तान बगराम एयरबेस को अमेरिका को नहीं देता, तो अफगानिस्तान को लेने के देने पड़ सकते हैं?

दरअसल, दुनिया के थानेदार ट्रंप ने तर्क दिया है कि बगराम एयरबेस की भौगोलिक स्थिति अफगानिस्तान, ईरान, पाकिस्तान, भारत, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन और रूस आदि पूर्व एशियाई, मध्य एशियाई और दक्षिण एशियाई देशों से नजदीकी के कारण अमेरिका की सुरक्षा और निगरानी के लिए अत्यंत जरूरी है। यही वजह है कि ट्रंप ने तर्कसम्मत तरीके से कहा कि, 'हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें भी हमसे चीजें चाहिए। इसलिए हम उस बेस को वापस चाहते हैं।' उनका तर्क है कि यह एयरबेस न सिर्फ अफगानिस्तान के लिए नहीं, बल्कि चीन व रूस आदि के गठजोड़ की वजह से भी उनके लिए जरूरी है, क्योंकि यह चीन के परमाणु प्रतिष्ठानों के नजदीक है। उनके मुताबिक, बगराम एयरबेस चीन की मिसाइल बनाने वाली जगह से सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है।

उल्लेखनीय है कि बगराम का भू-राजनीतिक स्थान अफगानिस्तान के उत्तर में, काबुल से लगभग 40-60 किमी दूर पारवान प्रांत में है, जो मध्य, दक्षिण और पश्चिम एशिया के संगम पर बैठता है। इसका स्थान इसे क्षेत्रीय 'ग्रैंड चेसबोर्ड' यानी सामरिक संतुलन की चाबी बना देता है—जहाँ से अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान, चीन (विशेषकर शिंजियांग क्षेत्र), और मध्य एशिया के देशों (जैसे ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान) तक निगरानी और पहुंच बनाना बहुत आसान है।

इसकी भू-राजनीतिक स्थान की विशेषता अहम है। सलांग दर्रे और टनल के करीब होने से यह आधार अफगानिस्तान के उत्तर-दक्षिण गलियारे और मध्य एशिया तक रणनीतिक पहुँच प्रदान करता है। यहाँ से पश्चिम में ईरान, पूर्व में पाकिस्तान, उत्तर में मध्य एशिया, और उत्तर-पूर्व में चीन तक अमेरिकी या किसी भी ताकत की त्वरित कार्रवाई मुमकिन हो जाती है। वहीं, चीन के शिंजियांग क्षेत्र की दूरी बगराम से एक घंटे की फ्लाइट में तय होती है, जहाँ चीन की न्यूक्लियर सुविधाएँ और बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट्स केंद्रित हैं।

जहां तक इस जगह से पड़ोसी देशों पर प्रभाव डालने का सवाल है तो यह कहा जा सकता है कि बगराम का अमेरिकी या किसी विरोधी शक्ति के पास होना चीन के लिए सुरक्षा संबंधी खतरा बन जाता है, खासकर शिंजियांग और लोप नूर न्यूक्लियर साइट्स तक इसकी पहुँच के कारण। इससे चीन-अमेरिका संबंधों में तनाव भी बढ़ सकता है। वहीं, पाकिस्तान के हिसाब से यहाँ से ड्रोन या निगरानी अभियानों की आशंका बढ़ती है और पाकिस्तान के रणनीतिक गहरे प्रभाव क्षेत्र पर अमेरिकी हस्तक्षेप संदेहास्पद बन जाता है।

वहीं, बगराम के कारण अमेरिका को ईरानी गतिविधियों और उसके पश्चिमी बॉर्डर पर निगरानी में बड़ी सहूलियत मिलती है, जिससे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्द्धा तेज हो सकती है। जबकि मध्य एशियाई देशों- उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, और तुर्कमेनिस्तान जैसे देश बगराम बेस के कारण क्षेत्रीय शक्ति संतुलन, आतंकवाद दमन, और पश्चिमी सुरक्षा छत्र के दबाव में रहते हैं।

जहां तक भारत की बात है तो भारत के लिए बगराम सामरिक दृष्टि से लाभकारी है क्योंकि यहाँ से अमेरिकी सहयोग से क्षेत्रीय आतंकवाद और पाक समर्थित नेटवर्क्स पर निगरानी संभव है। वहीं, अफगानिस्तान और मध्य एशिया में रूसी हित भी इससे प्रभावित होते हैं क्योंकि रूस का पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र यहाँ तक है। संक्षिप्त रूप में, बगराम का स्थान विश्व राजनीति के शक्ति संघर्ष में, खासकर चीन, रूस, ईरान, पाकिस्तान और भारत के पारस्परिक समीकरण में प्रमुख भूमिका निभाता है। क्योंकि बगराम के नियंत्रण से इन देशों के रणनीतिक फैसलों और क्षेत्रीय स्थिरता पर गहरा असर पड़ता है।

उल्लेखनीय है कि अपने चुनाव अभियान और कैबिनेट मीटिंग में भी ट्रंप ने कई बार कहा है कि बगराम एयरबेस अमेरिका को मिलना चाहिए क्योंकि इसे अमेरिकी सेना ने बनाया और विकसित किया था। यही वजह है कि ट्रंप ने सोशल मीडिया पर तालिबान को सीधे तौर पर धमकी दी है- 'अगर अफगानिस्तान बगराम एयरबेस को अमेरिका को नहीं देता, तो बुरी चीजें होने वाली हैं।' वहीं, जवाबी प्रतिक्रिया देते हुए तालिबान प्रशासन ने ट्रंप के दावों और मांगों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि अफगानिस्तान अपनी एक इंच जमीन भी किसी को नहीं देगा और बगराम हवाई अड्डे पर केवल अफगानिस्तानी नियंत्रण है और रहेगा।

कमलेश पांडे दरअसल, दुनिया के थानेदार ट्रंप ने तर्क दिया है कि बगराम एयरबेस की भौगोलिक स्थिति अफगानिस्तान, ईरान, पाकिस्तान, भारत, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन और रूस आदि पूर्व एशियाई, मध्य एशियाई और दक्षिण एशियाई देशों से नजदीकी के कारण अमेरिका की सुरक्षा और निगरानी के लिए अत्यंत जरूरी है।

तालिबान सरकार की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए उनके अधिकारी और प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने ट्रंप की मांग को पूरी तरह ठुकरा दिया और कहा कि हम अपनी एक मीटर जमीन भी अमेरिका को नहीं देंगे। ट्रंप को 'यथार्थवादी और विवेकपूर्ण' नीति अपनानी चाहिए। इससे पहले तालिबान की कंधार में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई जिसमें सभी सैन्य और कैबिनेट अधिकारी शामिल थे, और यह तय किया गया कि यदि अमेरिका ने बगराम पर कब्जे की कोशिश की तो तालिबान नए सिरे से युद्ध शुरू करने के लिए तैयार है।

वहीं, तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने भी स्पष्ट कहा कि इतिहास में अफगानों ने कभी भी विदेशी सेना की मौजूदगी स्वीकार नहीं की है और अमेरिकी सैनिकों को दुबारा अफगान जमीन पर आने नहीं दिया जाएगा। वहीं, अफगान विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के बयान की कड़ी निंदा की और स्पष्ट किया कि बगराम एयरबेस तालिबान के नियंत्रण में है तथा इसे वापस लौटाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। मंत्रालय ने कहा कि अफगान विदेश नीति अब आर्थिक विकास और सभी देशों से रचनात्मक संबंधों पर केंद्रित है, तथा अमेरिका को अफगान जमीन के प्रति कोई उम्मीद नहीं करनी चाहिए। तालिबान और अफगान विदेश मंत्रालय दोनों ने अमेरिकी मांगों को पूरी तरह से खारिज करते हुए आक्रामक जवाब दिया और देश की संप्रभुता तथा स्वतंत्रता का संरक्षण करने का संकल्प दोहराया।

इस तरह से, ट्रंप ने अफगानिस्तान और विशेष रूप से तालिबान पर दबाव बनाया है कि अमेरिका को बगराम एयरबेस लौटाया जाए, क्योंकि इसकी अहमियत चीन की परमाणु नीति और अमेरिका की सामरिक नीति से जोड़ी जा रही है। यही नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बगराम एयरबेस को वापस लेने के पीछे कई प्रमुख वजहें बताई हैं, जिनमें सामरिक और क्षेत्रीय नियंत्रण प्रमुख हैं। ट्रंप का कहना है कि बगराम एयरबेस पर कब्जा करके अमेरिका पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है। यह एयरबेस सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव को बढ़ाता है।

ट्रंप ने साफ कहा कि अफगानिस्तान के काबुल के पास बना यह एयरबेस चीन के परमाणु प्रतिष्ठानों के बेहद करीब है, जिससे चीन के परमाणु हथियार कार्यक्रम और सैन्य गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। ट्रंप ने इससे पहले बाइडेन प्रशासन की अदूरदर्शिता की तीखी आलोचना की और कहा कि अमेरिकी सेना ने बगराम एयरबेस छोड़ कर एक सामरिक आपदा को जन्म दिया। वे कहते हैं कि इसे अमेरिका ने बनाया था और यह उनके पास ही रहना चाहिए। ताकि क्षेत्रीय सुरक्षा व प्रतिरक्षा सम्बन्धी अमेरिकी हित सध सके। उन्होंने कहा कि वह अपने दोनों विरोधियों—चीन और ईरान—पर नजर रखने के लिए यह जगह सामरिक रूप से अमेरिका के लिए खास है।

इन सभी वजहों को आधार बनाकर ट्रंप जोर दे रहे हैं कि बगराम एयरबेस को अमेरिका को लौटाया जाए, जिससे अमेरिका की सैन्य, निगरानी और रणनीतिक क्षमता क्षेत्र में मजबूत हो सके। जबकि तालिबान और अफगान विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बगराम एयरबेस को लौटाने संबंधी मांग और धमकी का सख्त विरोध किया है।

जहां तक बगराम हवाई अड्डा सम्बन्धी अमेरिकी लालसा का सवाल है तो अंतरराष्ट्रीय कानूनी निहितार्थ के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि बगराम एयरबेस के पुन: कब्जे के ट्रंप के दावे और तालिबान के सख्त विरोध के कुछ मुख्य पहलू इस प्रकार हैं, जिनकी कतई अनदेखी नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय विधि के तहत प्रत्येक राज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान जरूरी होता है। किसी अन्य देश के बिना अनुमति के क्षेत्राधिकार में प्रवेश या कब्जा गैरकानूनी माना जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय संघर्ष का कारण बन सकता है।

तालिबान के नेतृत्व वाले अफगानिस्तान को एक संप्रभु राज्य माना जाता है, इसलिए बगराम एयरबेस पर जबरन कब्जा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा। बेहतर होगा कि ट्रंफ अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का ख्याल रखते हुए अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षा को तिलांजलि दें। उन्हें यह पता होना चाहिए कि किसी भी सैन्य घुसपैठ या कब्जे को लेकर जेनेवा कन्वेंशन्स और अन्य युद्ध विधि की संधियां लागू होती हैं। जब तक विवाद को शांतिपूर्ण बातचीत से हल नहीं किया जाता, तब तक सैन्य कब्जा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिषद या संयुक्त राष्ट्र के अधीन विचारणीय होगा।

अलबत्ता, इस तरह के दावे से क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकते हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। उक्त कार्रवाई पर अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होगी। वहीं, ट्रंफ के इस दावे के कारण दो राष्ट्रों के बीच कानूनी और कूटनीतिक विवाद उत्पन्न होगा, जिसे अंतरराष्ट्रीय न्यायालय या मध्यस्थता के जरिये हल करने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, यह मामला क्षेत्रीय सुरक्षा और राजनीतिक ताकत के आधार पर भी प्रभावित होगा। संक्षेप में, यह कहा जा सकता है कि ट्रंप के बगराम एयरबेस के दावे पर अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत यह माना जाएगा कि किसी राज्य की संप्रभु जमीन पर कब्जा गैरकानूनी है और ऐसी कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय विवाद उत्पन्न हो सकता है, जिसे शांतिपूर्ण या कानूनी माध्यमों से सुलझाना आवश्यक होगा।

समझा जाता है कि दुनिया के थानेदार अमेरिका ने अपनी थानेदारी को मिल रही चीनी चुनौतियों के दृष्टिगत नया दावा पेश किया है। खुद ट्रंप ने बगराम एयरबेस से संबंधित अपने दावे में चीन की मौजूदगी का हवाला कई कारणों से दिया है। उनका तर्क इस बात पर केंद्रित है कि बगराम एयरबेस स्थित क्षेत्र चीन के परमाणु हथियार निर्माण और सैन्य गतिविधियों के लिए अत्यंत संवेदनशील इलाका है।

ट्रंप का कहना है कि बगराम एयरबेस काबुल के नजदीक है और यह चीन के परमाणु प्रतिष्ठानों से मात्र करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर है, जिससे चीन की सैन्य और परमाणु गतिविधियों पर नजर रखने के लिए यह एयरबेस अमेरिकी सुरक्षा हितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं, उनका आरोप है कि चीन अफगानिस्तान में अपने प्रभाव को बढ़ा रहा है, जहां वे राजनीतिक और आर्थिक रूप से भी जगह बना रहे हैं, जिससे अमेरिका की एशिया की सामरिक स्थिति खतरे में पड़ सकती है।

लिहाजा, अब यह साफ हो चुका है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक प्रमुख रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानते हैं और उनके अनुसार, बगराम एयरबेस को वापस लेकर अमेरिका चीन की विस्तारवादी गतिविधियों को रोक सकता है। इसके अलावा, ट्रंप चीन की आर्थिक और सैन्य शक्ति को लेकर भी कड़ी चेतावनी देते रहे हैं, और बगराम एयरबेस की वापसी उन्हें इस रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिला सकती है।

इसलिए ट्रंप की बातों में चीन की मौजूदगी का हवाला एक रणनीतिक कारण के तौर पर दिखता है, जो अमेरिकी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने से जुड़ा है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी डॉनल्ड ट्रंप के बगराम एयरबेस को लेकर किए गए आरोप और दावे पर अपनी अपनी विविध प्रतिक्रियाएं दी हैं, जिनमें मुख्य रूप से संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर जोर दिया गया है।

वहीं, अधिकांश देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने यह स्पष्ट किया है कि किसी भी संप्रभु राष्ट्र की जमीन पर बिना उसकी अनुमति के कब्जा करना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा और यह क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र और कई दूसरे वैश्विक मंचों ने अफगानिस्तान की संप्रभुता की रक्षा पर बल दिया है और किसी भी सैन्य कार्रवाई का विरोध किया है जो इस संतुलन को बिगाड़ सकती है।

अफगानिस्तान के वर्तमान तालिबान नेतृत्व के समर्थन में भी कई देशों ने उनके संप्रभु अधिकारों की पुष्टि की है, जिससे ट्रंप के दावे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक स्वीकृति नहीं मिली। वहीं, ट्रंप के चीन पर शक और आरोप को लेकर कुछ देशों ने इसे क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने वाला माना है, जबकि कुछ ने इस पर स्पष्ट टिप्पणी से बचते हुए कूटनीतिक वार्ता पर जोर दिया है। इसी समय, संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद से जुड़े दावों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है जो दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सुरक्षा और आतंक के विषयों को गंभीरता से देख रहा है, हालांकि अफगानिस्तान मामले में स्थिति भिन्न है लेकिन संप्रभुता के मुद्दे एक समान हैं।

संक्षेप में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने बगराम एयरबेस को लेकर किए गए दावे पर सतर्कता और शांति बनाए रखने की अपील की है, साथ ही किसी भी तरह के बल प्रयोग या जबरदस्ती कब्जे को कानूनी और कूटनीतिक रूप से अस्वीकार्य माना है। बता दें कि बगराम हवाई अड्डा अफगानिस्तान में स्थित एक अत्यंत रणनीतिक एयरबेस है, जिसका महत्व इसके भू-राजनीतिक स्थान और सैन्य बुनियादी ढाँचे के कारण है। अमेरिका इसे दोबारा हासिल करना चाहता है क्योंकि यह बेस दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और पश्चिम एशिया के संगम पर स्थित है, जिससे अमेरिका को इस क्षेत्र में शक्ति प्रक्षेपण, खुफिया निगरानी, और प्रतिस्पर्द्धी ताकतों (विशेषकर चीन, रूस, ईरान) पर नजर रखने में अपार लाभ मिलता है.जहां तक इसके रणनीतिक महत्व का सवाल है तो बगराम, अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से लगभग 60 किमी उत्तर में, एक ऐसे स्थान पर है जहाँ से ईरान, पाकिस्तान, चीन (विशेषकर शिंजियांग क्षेत्र), और मध्य एशिया तक आसानी से पहुँचा जा सकता है। यहाँ से अमेरिकी वायुसेना लगभग हर दिशा में कार्रवाई के लिए तैयार रह सकती है।

वहीं, मित्र देशों (जैसे भारत) के साथ इंटेलिजेंस साझा करना और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना भी इस बेस का मुख्य उद्देश्य है। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि बगराम एयरबेस क्षेत्रीय शक्ति संतुलन, सैन्य पहल, खुफिया कार्य, तथा चीन-रूस जैसे देशों के प्रभाव को संतुलित करने के लिए अमेरिका के लिए एक अपर्याप्त सामरिक संपत्ति है।

खास बात यह है कि अफगानिस्तान स्थित बगराम हवाई अड्डे को अमेरिका द्वारा पुन: पाने की कोशिशों के मुद्दे पर साथ पाकिस्तान, चीन, रूस और ईरान परस्पर साथ आए हैं और दो टूक कहा है कि ताजा अमेरिकी पहल वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है। यहां पाकिस्तान का ईरान, रूस और चीन के साथ खड़ा होना अमेरिका के लिए किसी बुरे स्वप्न की तरह है, क्योंकि अमेरिका ने भारत को नाराज करके पाकिस्तान व बंगलादेश को साधने की जो कोशिश की है, वह दांव भी उल्टा पड़ गया है। इससे एशिया में अमेरिकी पांव उखड़ने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष अष्टमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम- संतान का साथ होगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का अत्यंत लाभकारी योग बनेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। सधी हुई जुबान का प्रयोग करें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। नतमस्तक हो जाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
बच्चे आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा। कोई निर्णय ले पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का उत्तम योग बन रहा है। घर में कोई उत्सव संभव है।

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी

श्रीराम ने किया पंचवटी की ओर प्रस्थान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के तत्वावधान में भगवान श्री राम की लीला का सातवां दिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर परम पूज्य गोस्वामी सुशील महाराज के दिशा-निर्देशन और अध्यक्ष आनंद भाटी के मार्गदर्शन में मंचन हुआ।

लीला में मुख्य अतिथि सांसद डॉ. महेश शर्मा रहे। अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद भगवान श्री राम ऋषि अत्रि के आश्रम पहुंचे, जहाँ माता अनसूइया ने माता सीता को स्त्री धर्म का ज्ञान प्रदान किया।

लीला में भगवान श्री राम ने कई ऋषियों से भेंट की और अनेकों राक्षसों का वध करते हुए पंचवटी की ओर प्रस्थान किया। पंचवटी में कुटिया निर्माण के पश्चात सुपर्णखा प्रभु श्री राम पर मोहित हुई और उनसे विवाह करने का आग्रह किया। भगवान के अस्वीकार करने पर लक्ष्मण जी ने उसे दंडित किया। इसके बाद सुपर्णखा ने अपने भाई रावण को यह वृतांत सुनाया, जिससे रावण ने माता सीता का हरण करने का निर्णय लिया।

लीला में मारीच का स्वर्ण मृग बनकर प्रकट होना, लक्ष्मण रेखा का निर्माण, रावण द्वारा माता सीता का हरण और जटायु की वीरगति जैसी घटनाओं का सजीव मंचन दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। दर्शकों ने आज की लीला की अद्भुत प्रस्तुति की खुले दिल से प्रशंसा की। प्रभु श्री राम के जयकारों से रामलीला परिसर गूंज उठा। पराई स्त्री और पराए पुरुष के प्रति कुलचित विचार जीवन में हावी होने पर विनाशकारी परिणाम ला सकते हैं।

इस अवसर पर संस्थापक परम गोस्वामी सुशील महाराज, संस्थापक एडवोकेट राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेर सिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, धीरेंद्र भाटी, मनोज गुप्ता, सतीश भाटी, दिनेश गुप्ता, पवन नागर, बालकिशन सफीपुर, धीरज शर्मा, अध्यक्ष आनंद भाटी, महासचिव ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश शर्मा बदौली सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री रामलीला कमेटी साइट-4

सीता के वियोग में व्याकुल हुए श्री राम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी साइट-4 में भगवान श्री राम की लीला का मंचन गणेश वंदना के साथ आरंभ हुआ। कमेटी के अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह ने बताया कि आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

कमेटी के संयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने बताया कि श्री राम वनवास के समय माता सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ चित्रकूट से आगे बढ़ते हैं। मार्ग में ऋषि अगस्त से मुलाकात होती है, जो उन्हें पंचवटी का मार्ग दिखाते हैं। पंचवटी पहुंचने पर नारद और सुपर्णखा के साथ संवाद होता है। सुपर्णखा श्री राम से विवाह का प्रस्ताव रखती हैं, जिसे श्री राम अस्वीकार करते हैं।

कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया कि लक्ष्मण द्वारा सुपर्णखा की नाक काटे जाने के बाद वह अपने भाई खरदूषण के पास जाती है। खरदूषण श्री राम और लक्ष्मण से युद्ध करता है और युद्ध में मारा जाता है। इसके बाद सुपर्णखा रावण के पास जाती है और रावण मारीच को स्वर्ण मृग के रूप में भेजकर माता सीता का हरण करता है। माता सीता की रक्षा में वीर जटायु आते हैं, लेकिन रावण के हाथों जटायु घायल हो जाते हैं।

महासचिव विजेन्द्र सिंह आर्य ने बताया कि श्री राम सीता के वियोग में अत्यंत व्याकुल हो जाते हैं। वे वन वन सीता की खोज करते हैं, कभी पक्षियों और मृगों से, तो कभी पेड़-पौधों से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। इसी क्रम में वे घायल जटायु से मिलते हैं, जो उन्हें बताते हैं कि रावण ने माता सीता का हरण कर लिया है। जटायु अपनी वीरगति को प्राप्त होते हैं। लीला का समापन आरती के साथ किया गया।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि 30 सितम्बर को रामलीला में शबरी उद्धार, राम-सुग्रीव मित्रता, बाली वध, सीता की खोज, हनुमान-रावण संवाद और लंका दहन जैसी प्रमुख लीलाओं का मंचन किया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह, धर्मपाल भाटी, विजेन्द्र सिंह आर्य, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, ओमप्रकाश अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, कमल सिंह आर्य, मुकेश शर्मा, हरेन्द्र भाटी, मुकुल गोयल, अमित गोयल, अतुल जिंदल, गिरीश जिंदल, श्यामवीर भाटी, श्री चन्द भाटी, अनुज उपाध्याय, मनोज यादव, सुभाष चंदेल, गजेंद्र चौधरी, सुनील प्रधान, अरुण गुप्ता, अंकुर गर्ग, विशाल जैन, उमंग सिंगला, मोनू गर्ग, दीपक भाटी, राहुल नम्बरदार, प्रभाकर देशमुख, विकास आर्य, रिंकू आर्य, प्रमोश मास्टर, टी पी सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक ने किया 19 करोड़ के विकासकार्य का उद्घाटन

दादरी। दादरी विधानसभा क्षेत्र के लिए कल का दिन ऐतिहासिक साबित रहा। ग्राम जारचा में लंबे समय से चली आ रही उच्च शिक्षा संस्थान की मांग आखिरकार पूरी हो गई। लगभग 19 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले राजकीय डिग्री कॉलेज को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

इस अवसर पर रामलीला ग्राउंड, देवी मंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों ने अपार हर्ष और उत्साह व्यक्त किया। दादरी विधायक तेजपाल नागर के अथक प्रयासों, संघर्षशील कार्यशैली और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उपस्थित जनसमूह ने उन्हें हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

यह नया डिग्री कॉलेज न केवल ग्राम जारचा बल्कि पूरे दादरी विधानसभा क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करेगा। अब क्षेत्र के युवा दिल्ली, अलीगढ़, मेरठ या अन्य दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे विद्यार्थियों और उनके परिवारों का समय, धन और संसाधन बचेगा, और शिक्षा का स्तर भी बढ़ेगा।

डिग्री कॉलेज की स्थापना से स्थानीय प्रतिभाओं को अपने क्षेत्र में ही बेहतर अवसर मिलेंगे। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा का अवसर प्राप्त होगा, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष धीर राणा, एच.के. शर्मा, मनोज सिसोदिया, श्रीमती सुमन देवी (प्रधान जारचा), विमल पुंडीर, नरेन्द्र प्रधान, पवन बंसल, अशोक बीडीसी, हरज्ञान सिंह, मख्र सिंह, सुरेंद्र प्रधान, विचित्र तोमर, पप्पू प्रधान, सतीश, सतीश नागर, कन्हैया शर्मा, कासीम, संजीव भाटी, अंकुश सिसोदिया, विनोद शर्मा, नरेश खटाना सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोग और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी

रामकृपा से ही रामलीला देखने का सौभाग्य मिलता है : पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर-46 के द्वारा सोमवार को रामलीला के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नोएडा के विधायक पंकज सिंह एवं भाजपा नोएडा के अध्यक्ष महेश चौहान, सच कहूं के संपादक ऋषिपाल अरोड़ा सहित कई मुख्य अतिथियों ने गणेश पूजन के साथ रामलीला का शुभारंभ कराया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि रामलीला का मंचन करना और रामलीला देखने का अवसर जब तक नहीं मिलता जब तक व्यक्ति पर राम की कृपा नहीं होती है उनको राम की कृपा से ही यह सौभाग्य प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि उन्हें भी रामलीला देखने का सौभाग्य मिला यह भी राम की ही कृपा है, पंकज सिंह ने कहा कि रामलीला एक ऐसा मंचन होता है जिसे प्रत्येक व्यक्ति चाहे पिता हो मां हो किसी के साथ भी बैठकर एक साथ देख सकता है।

इस अवसर पर भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि रामलीला मंचन से प्रत्येक वर्ष हमें यह सीख मिलती है कि हमेशा असत्य पर सत्य की विजय होती है, इसके बाद भी मनुष्य भगवान रामचंद्र के बताए रास्ते पर नहीं चल पाते और फिर उन्हें भी रावण की तरह हार देखने को मिलती है ।

चेयरमैन मनोज अग्रवाल (सीएम डी प्रिया गोल्ड), वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल , महासचिव गिर्राज अग्रवाल,कोषाध्यक्ष सीईए मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, मेला संयोजक संजय गोयल, आलोक गुप्ता , गौरव कुमार , रामवीर यादव , अशोक गोयल, विकास बंसल , संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा

सुशील गुप्ता, पीयूष द्विवेदी, शरद कुमार सिन्हा, अभिषेक जैन, डॉ कपिल सिंघल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, गौरव मित्तल, पवन अग्रवाल, नवीन सोनी, सौरभ अग्रवाल, कार्तिक मिश्रा, अमित सिंघल अरुण चौहान देवेंद्र कंसल नितिन कंसल रामरतन शर्मा, संजय गुप्ताआदि मौजूद थे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट संख्या-1, सेक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी, जिला-गौतमबुद्ध नगर
वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in, ई-मेल : authority@gnida.in

पत्रांक : 1290/भूलेख/2025 दिनांक 29/09/2025

सार्वजनिक सूचना

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के ग्राम सिरसा, हैबतपुर, बिरौण्डी चक्रसैनपुर, फतेहपुर रामपुर, खैरपुर गुर्जर, पतवाड़ी, रोजा याकूबपुर, खेडी, भनौता व लुकसर की अर्जित भूमि के सापेक्ष आबादी भूखण्ड की पात्रता हेतु अवशेष कृषकों द्वारा किये गये प्रार्थना पत्रों का विवरण निम्नवत है :-

सिरसा

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	221	श्री भूपेन्द्र पुत्र श्री प्रकाश चन्द निवासी ग्राम लडपुरा।	256 257	1.4790 हे0 का 1/16 भाग	6 प्रतिशत
2.	305	श्रीमती जयवती पत्नी श्री यशपाल निवासी ग्राम लडपुरा।	222	0.5060 हे0	6 प्रतिशत
3.	197	श्री जगत सिंह पुत्र श्री पेमसिंह निवासी ग्राम।	3	0.536 हे0 का 1/2 भाग	6 प्रतिशत
4.	—	श्री अतर सिंह पुत्र साहमल निवासी हरौला।	108	0.506 हे0	6 प्रतिशत
5.	144	श्री सुविन पुत्र शंकर निवासी ग्राम।	117	0.7240 हे0 में से 1/8 भाग	6 प्रतिशत
6.	300	श्रीमती जयचन्द्र, लखमीचन्द, लालचन्द, बालचन्द पुत्रगण श्री हरकेश, श्रीमती ज्ञानवती पत्नी हरकेश निवासी ग्राम।	210	0.3176 हे0	6 प्रतिशत
7.	245	श्री सन्तराम, संजय, रविन्द्र, नीरज पुत्रगण श्री बीर सिंह व श्यामवती पत्नी बीरसिंह व शिमलेश पत्नी ऋषि निवासी ग्राम।	373	0.1397 हे0	6 प्रतिशत
8.	116	प्रहलाद पुत्र मुंशी निवासी ग्राम।	279 280 85 मि0	0.0797 हे0 0.7462 हे0 0.4210 हे0	6 प्रतिशत
9.	144	श्रीमती वती पत्नी श्री शंकर निवासी ग्राम।	117	0.7240 हे0 में से 1/8 भाग	6 प्रतिशत
10.	144	श्री अनिल पुत्र श्री शंकर निवासी ग्राम।	117	0.7240 हे0 में से 1/8 भाग	6 प्रतिशत
11.	18	श्रीमती सुगनवती पत्नी श्री कमल सिंह निवासी ग्राम।	602	0.0661 हे0	6 प्रतिशत
12.	40	श्रीमती चम्पा पत्नी श्री उदयराम निवासी ग्राम।	148म	0.1890 हे0	6 प्रतिशत
13.	50	श्री बीर सिंह पुत्र श्री खचेडू निवासी ग्राम।	242	1.6736 हे0 में से 1/2 भाग	6 प्रतिशत

हैबतपुर

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	108	श्रीमती धनपाली पत्नी चन्द्रभान सिंह निवासी ग्राम।	151	1.8330	5 प्रतिशत
2.	111	जयपाल पुत्र हरी निवासी ग्राम	251मि	0.8960 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
3.	41	दिनेश पुत्र स्व0 सरनी निवासी ग्राम	28	4.4190 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
4.	41	योगेन्द्र कुमार पुत्र किशन दत्त निवासी ग्राम	28	4.4190 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
5.	41	उमेश कुमार पुत्र किशन दत्त निवासी ग्राम	28	4.4190 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
6.	41	दीप चन्द्र पुत्र किशन दत्त निवासी ग्राम	28	4.4190 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
7.	242	कृपाल पुत्र महेन्द्र निवासी ग्राम इटहेरा	156 158	1.2260 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
8.	103 229 318 247	जयपाल सिंह पुत्र खचेडू निवासी ग्राम हैबतपुर	9 8 47 18 22 8म 16 47म 8म 47म	0.2650 0.0380 0.2500 1.7950 0.6700 0.5060 0.2280 0.5980 0.0880 0.2530	5 प्रतिशत
9.	18	धर्मपाल, राजपाल व सत्यपाल पुत्रगण रघूवीर निवासी ग्राम हैबतपुर	14	4.5360 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
10.	70	श्रीमती हरकली पत्नी स्व0 रामपाल व धर्मपाल, हरपाल व सत्यपाल पुत्रगण श्री रघुवीर निवासी ग्राम हैबतपुर	268	0.2300 का बगदर भाग	5 प्रतिशत
11.	242	देवेन्द्र पुत्र महेन्द्र निवासी इटेहरा	156 158	0.3790 0.8470 1.2260 का 2/27 भाग	5 प्रतिशत
12.	242	सतपाल पुत्र महेन्द्र निवासी इटेहरा	156 158	0.3790 0.8470 1.2260 का 2/27 भाग	5 प्रतिशत
13.	323	मंगत पुत्र दुर्गा निवासी ग्राम	85	0.1030 का 43/25	5 प्रतिशत
14.	221 226	रतन, मदन, मांगे व जयप्रकाश उर्फ कालू पुत्रगण निद्दा निवासी ग्राम	255 256	0.9550 0.4860 1.4410 का 1/8 भाग	5 प्रतिशत
15.	247	रन सिंह, जयपाल सिंह पुत्रगण खचेडू निवासी ग्राम	8म 16 47म 8मि 47मि	0.5060 0.2280 0.4980 0.0880 0.2530 बकदर भाग	6 प्रतिशत
16.	229	रन सिंह, जयपाल सिंह पुत्रगण खचेडू निवासी ग्राम बहलोलपुर	8 47	0.0380 0.2500 बकदर भाग	6 प्रतिशत
17.	106 316	रन सिंह पुत्र खचेडू निवासी ग्राम बहलोलपुर	18 22 554	1.7950 0.6700 2.0480 का 1/4 भाग	6 प्रतिशत
18.	318 106	धनपाल पुत्र सुखिया उर्फ मुन्शी निवासी ग्राम	18 22 554	1.7950 0.6700 2.0480 का 1/4 भाग	6 प्रतिशत
19.	206	जगन व प्रीतम पुत्रगण हीरा निवासी बहलोलपुर	554	2.0480 का 1/4 भाग	6 प्रतिशत
20.	248	श्रीपत पुत्र सुक्खी निवासी ग्राम बहलोलपुर	435	2.2570 का 1/2 भाग	6 प्रतिशत
21.	303	हरपाल पुत्र रघुवीर निवासी ग्राम	122/2	1.5180 का 1/11 भाग	6 प्रतिशत
22.	130	संजय यादव पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम	168 168	0.6570 0.7600	6 प्रतिशत
23.		हेमचन्द पुत्र लखपत निवासी ग्राम हैबतपुर	20 24 38	3.1870 1/12 भाग 0.8850 1/4 भाग 0.8100 1/4 भाग	5 प्रतिशत

बिरौण्डी चक्रसैनपुर

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	132	मनवीर पुत्र अंगद निवासी ग्राम।	99	0.1972 हे0	6 प्रतिशत
2.	142	राजाराम पुत्र तेजा नि0 ग्राम।	63	1.0117 हे0 का 1/6 भाग	6 प्रतिशत
3.	132	श्रीमती महेन्द्री पत्नी रूपचन्द नि0 ग्राम।	331	1.6737 हे0	6 प्रतिशत

फतेहपुर रामपुर

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	152	सन्तराम पुत्र मिश्री निवासी ग्राम फतेहपुर रामपुर।	444 159	1.0730 0.8061	6 प्रतिशत
2.	195	श्री धीरज पुत्र रतन सिंह नि0 ग्राम शाकीपुर।	380	0.2080	6 प्रतिशत
3.	164 175	श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी टीकम सिंह नि0 ग्राम डाढा।	269 270	0.1416 0.1561	6 प्रतिशत
4.	65	श्री सुन्दर, लीला सिंह, धर्मेन्द्र, राजीव, सतेन्द्र व सुबोध निवासी ग्राम इमलिया।	194	1.3088	6 प्रतिशत
5.	210	श्री गुल्लू पुत्र वेदी, किरन पत्नी वेदी नि0 निवासी ग्राम फतेहपुर रामपुर।	389	0.3300	6 प्रतिशत
6.	59	श्रीमती मायावती पत्नी नरपत सिंह नि0 निवासी ग्राम फतेहपुर रामपुर।	281	0.1138	6 प्रतिशत
7.	51	प्रकाश पुत्र वेदराम निवासी ग्राम फतेहपुर रामपुर।	160 182 445	0.6622 0.3787 0.2480	6 प्रतिशत
8.	49	ब्रजपाल पुत्र तुरमल निवासी ग्राम मायचा।	84 86 238	1.9677 हे0 का 1/3 भाग	6 प्रतिशत

खैरपुर गुर्जर

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	134	श्रीमती बीरवती पत्नी श्री मथन सिंह निवासी ग्राम।	25 26क 26घ	3.3639 हे0 का 1/4 भाग	6 प्रतिशत

पतवाडी

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	691	यामीन खाँ पुत्र सरदार निवासी ग्राम।	1194	0.1265 हे0	8 प्रतिशत
2.	243	श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी जयचन्द अशोक कुमार, सुनील कुमार पुत्रगण जयचन्द निवासी पतवाडी।	9	0.9660 हे0	8 प्रतिशत

रोजा याकूबपुर

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	373 41 126	रणबीर सिंह पुत्र स्व0 सीताराम नि0 चिपियाना बुजुर्ग।	7 347 13 16 12 395	1.5830 0.3750 का बगदर भाग 0.1980 का बगदर भाग 0.6320	6 प्रतिशत

खेडी

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	—	श्रीमती राजवती पत्नी जयकिशन निवासी ग्राम।	8	0.6110 हे0 का 1/3 भाग 0.2037 हे0	6 प्रतिशत
2.	—	मौ0 यामीन खान अकरम आजाद मौ0 फारुक शबबीर खान पुत्रगण स्व0 सुल्तान बेगम पत्नी स्व0 नि0 ग्राम।	501मि0	0.3182	6 प्रतिशत
3.	—	सुखवीर पुत्र लाला नि0 ग्राम।	490 491 492	0.0340 हे0 का 1/2 भाग 0.0170 हे0 0.2030 हे0 का 1/2 भाग 0.1015 हे0 0.0340 हे0 का 1/2 भाग 0.0170 हे0	6 प्रतिशत

भनौता

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	—	धीरज सिंह रतन सिंह व चरन सिंह पुत्रगण बातून नि0 ग्राम।	339 355	0.4640 0.4500 0.9160 हे0	6 प्रतिशत
2.	—	राजवती पत्नी जयकिशन नि0 ग्राम।	80	0.1630 हे0	6 प्रतिशत
3.	—	रिषीपाल पुत्र दुलीचन्द नि0 ग्राम।	118 मि0	0.8000 हे0	6 प्रतिशत
4.	—	प्रवीन कुमार अवनीश कुमारी, निशा पुत्रगण धर्मवीर, रमेश देवी पत्नी धर्मवीर नि0 ग्राम।	398	0.9480 हे0	6 प्रतिशत
5.	—	धीरज सिंह जोरसिंह पुत्रगण पूरन, अरूण कुमार पुत्र शिवपाल नि0 ग्राम भनौता।	401	0.8100 हे0	6 प्रतिशत

लुकसर

क्र0 सं0	खाता संख्या	कृषक का नाम व पता	खसरा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)	वितरण
1.	17	श्रीमती उषा पत्नी सत्यप्रकाश निवासी ग्राम लुकसर।	342 376 415 441	0.2530 0.0620 0.0530 0.2280 0.5960 हे0 का बगदर भाग	6 प्रतिशत

उपरोक्त भूमि के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिवस के अन्दर विशेष कार्याधिकारी, ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राधिकरण में उपलब्ध प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में अभिलेखों की जानकारी ग्रेटर नोएडा औधोगिक विकास प्राधिकरण के भूलेख विभाग से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। यह आपत्ति प्राप्त करने हेतु प्रकाशन कराया जा रहा है इस प्रकाशन से किसी का कोई अधिकार उद्भूत नही होगा। सूची में अंकित खातेदारों का आबादी भूखण्ड के लिये पात्रता का परीक्षण अंकित निर्धारित समय सीमा के पश्चात किया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी (भूलेख)

Follow Us On / OfficialGNIDA

विकसित भारत 2047 के लिए स्वदेशी और समावेशी विकास का लें संकल्प

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूपीआईटीएस के समापन समारोह को किया संबोधित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS 2025) का तीसरा संस्करण सोमवार को भव्य समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए केंद्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आयोजन की सफलता पर उत्तर प्रदेश सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश की आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक क्षमता का आईना है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब मिलकर स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें, उद्यमिता को बढ़ावा दें और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सामूहिक संकल्प लें। केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश में बीते आठ वर्षों में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णायक एवं संवेदनशील नेतृत्व ने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। आज यूपी ऐसे रनवे पर है, जो अनस्टॉपेबल है। उद्योग और निवेश के लिए सुरक्षित वातावरण और मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर ने यूपी को निवेशकों की पहली पसंद बना दिया है।

इस अवसर पर पीयूष गोयल ने आयोजन को सफल बनाने के लिए टीम यूपीईपीसी, टीम ओडीओपी, टीम सीएम युवा मिशन, टीम आईईएमएल को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

पीयूष गोयल ने कहा कि यूपीआईटीएस 2025 इस मायने में अनोखा है क्योंकि, इसमें सभी स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं। मंच पर उद्योग, सरकार और उसके दोनों अंग मंत्री और अधिकारी मौजूद हैं तो मंच के नीचे उद्यमी, निर्यातक, एमएसएमई, महिला उद्यमी और स्टार्टअप प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। जब सब मिलते हैं तो यह परफेक्ट मिक्स बनता है और यही उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा का असली राज है।

जीएसटी बचत उत्सव नवरात्रि का तोहफ़ा

अपने संबोधन में गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हाल ही में घोषित 'जीएसटी बचत उत्सव' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की वस्तुओं पर टैक्स में कमी उपभोक्ताओं के लिए नवरात्रि का बड़ा तोहफा है।

उद्यमियों को दिलाया संकल्प

समापन समारोह में गोयल ने कहा कि 11 वर्ष पहले 25 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने मेक इन इंडिया अभियान शुरू किया था और आपने इसी दिन यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो आयोजित करके इसकी सफलता को भी सुनिश्चित किया है। यह आयोजन कई संयोगों से विशेष बन गया। एक तरफ नवरात्रि, जीएसटी बचत उत्सव, स्वदेशी का आह्वान, अंत्योदय दिवस और मेक इन इंडिया के 11 वर्ष। आइए हम सब संकल्प लें कि स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करेंगे, ओडीओपी को प्रोत्साहित करेंगे, जीएसटी बचत का लाभ उपभोक्ता तक पहुंचाएंगे और 2047 तक विकसित भारत बनाने में योगदान देंगे।

यूपीआईटीएस को बताया वैश्विक मंच

पीयूष गोयल ने कहा कि यूपीआईटीएस ने हर किसी को एक बड़ा प्लेटफॉर्म दिया है। उत्तर प्रदेश की वस्तुओं को वैश्विक पहचान दी है। चाहे फिरोजाबाद के कांच के उत्पाद हों, मुरादाबाद का ब्रास का काम हो,बनारसी साड़ी हो, लखनऊ की चिकनकारी और आगरा के चमड़े जैसे उत्पादों को दुनिया तक पहुंचाने का मंच दिया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ प्रदर्शनी नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की नई औद्योगिक नीति का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने जीएसटी दरों में कमी से लोकल कंजंप्शन भी बढ़ेगा और इसका लाभ प्रदर्शनी के सभी प्रतिभागियों को मिलेगा।

भारत की वैश्विक पहचान मजबूत

पीयूष गोयल ने 2014 से पहले की भ्रष्टाचार और आर्थिक कुप्रबंधन का बोलबाला था, विकास दर मात्र 4 प्रतिशत थी, महंगाई 8 से 8.5 प्रतिशत पर पहुंच गई थी और विदेशी मुद्रा भंडार कमजोर था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार 11 वर्षों की मेहनत से व्यवस्था बदली। अब खदानें, स्पेक्ट्रम और अन्य संसाधन केवल नीलामी से दिए जाते हैं। इससे सरकारी खजाने को राजस्व मिलता है और जनता का विश्वास बढ़ता है।

कानून-व्यवस्था से उद्योग को बल

श्री गोयल ने 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि तब दहशत और अपराध का माहौल था। व्यापारी असुरक्षित थे, नोएडा के आधे प्रोजेक्ट अधूरे थे, फैक्ट्रियां बंद थीं। लेकिन माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के हाथ में बागडोर आने के बाद हालात बदल गए। कानून-व्यवस्था सख्त हुई और निवेशकों का विश्वास लौटा। उन्होंने कहा कि जब 2017 में प्रदेश की जनता ने दो तिहाई बहुमत देकर भाजपा की सरकार बनाई तब उत्तर प्रदेश में नया सवेरा शुरू हुआ और समावेशी विकास की शुरुआत हुई।

श्री गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी की स्वदेशी की परिभाषा को दोहराते हुए कहा कि मोदी जी ने आह्वान किया है कि अब जो भी सामान हम खरीदते हैं उसमें यथासंभव स्वदेशी वस्तु खरीदने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का अर्थ है जो सामान भारत के लोगों के खून पसीने से बना हो, जो भारत मिट्टी में बना हो वो स्वदेशी भारत है। कंपनी विदेश की हो सकती है, निवेश विदेश से आ सकता है, टेक्नोलॉजी बाहर से आ सकती है, लेकिन उत्पादन भारत में होना चाहिए और रोजगार भारत के लोगों को मिलना चाहिए। मोदी जी के इस आह्वान को हम सबको अपनाना चाहिए।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

ग्यारहमुखी हनुमान प्रकटोत्सव बना आकर्षण का केन्द्र

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वावधान में 'हरि भक्ति कला ट्रस्ट' द्वारा आयोजित भव्य रामलीला का मंचन नोएडा स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस भक्ति एवं सांस्कृतिक आयोजन का निर्देशन सुप्रसिद्ध निर्देशक पंकज शर्मा द्वारा किया गया।

रामलीला के मंचन में स्वरूपनखा नाक-कान प्रसंग, सीता हरण, जटायु वीरगति, शबरी प्रसंग, तथा ग्यारह मुखी हनुमान प्रकटोत्सव जैसे प्रमुख प्रसंगों को अत्यंत प्रभावशाली एवं भावनात्मक अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

रामलीला की शुरुआत स्वरूपनखा प्रसंग से हुई, जिसमें उसकी श्रीराम व लक्ष्मण से विवाह की लालसा, क्रोध में सीता को आहत करने का प्रयास, और अंततः लक्ष्मण द्वारा उसके नाक-कान काटने का दृश्य दर्शाया गया। इसके बाद खर-दूषण वध, स्वरूपनखा का रावण दरबार में जाना, रावण-मारीच संवाद और स्वर्ण हिरण का प्रपंच, सीता हरण एवं जटायु का बलिदान, श्रीराम का शोक, शबरी प्रसंग, और अंत में ग्यारह मुखी हनुमान जी के प्रकटोत्सव ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

डा. टी.एन. गोविल, टी.एन. चौरसिया, अल्पेश गर्ग, अतुल मित्तल, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, संजय गोयल, पंकज जिंदल, विपिन बंसल, राजीव अजमानी, प्रदीप अग्रवाल, संजय गुप्ता, सुशील भारद्वाज, मित्रा शर्मा, चंद्रपाल सिंह, शुभकरण सिंह राणा, रमेश कुमार, चितरंजन कुमार, कुलदीप गोयल, के.के. दत्ता, पीयूष द्विवेदी, परवेश बंसल, महेश चौहान, पुष्कर शर्मा आदि गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई।

जीआईएमएस में मनाया अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस), ग्रेटर नोएडा ने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस (ISAD) 2025 के अवसर पर एक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' के नारे के तहत सामुदायिक चिकित्सा विभाग, नर्सिंग कॉलेज और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया।

जागरूकता अभियान के दौरान नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक ने कानूनी और सुरक्षित गर्भपात सुविधाओं का उपयोग करने के लाभों को प्रभावी ढंग से बताया गया। साथ ही, इसने पीएसी पर ज़ोर दिया, जो अनियोजित गर्भधारण को रोकने और महिलाओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

'माता की चौकी' आयोजन में दिखा भक्ति और उत्साह का संगम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऐस सिटी में माता रानी की चौकी का आयोजन अपार श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तिमय स्वर-लहरियों के साथ हुआ। जैसे ही रोहित कपूर की मंडली ने माँ जगदम्बा के जयकारों और भजनों की अमृत धारा बहानी शुरू की, वैसे ही पूरा परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया। माँ की चौकी में ऐस सिटी के निवासी और एओए ने मिलकर तन, मन और धन से सहयोग किया।

कार्यक्रम में सौरभ अग्रवाल, सुमन गुप्ता, नम्रता मकुमार, सुरजीत सिंह, सतीश केसरी, पवन गौतम, पवन गुप्ता, प्रीति, नवीन और रमेश आदि की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने आयोजन की गरिमा को और ऊँचाई प्रदान की। माता की चौकी केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह भक्ति, एकता और संस्कृति का संगम है। यहाँ हर वर्ग, हर आयु और हर विचारधारा के लोग एकत्र होकर माँ दुर्गा की आराधना करते हैं। यह आयोजन ऐस सिटी के सामाजिक जीवन में सामूहिकता, सौहार्द और संस्कारों की नई प्रेरणा जगाता है। भजनों की मधुर धुन, दीपों की ज्योति और भक्तों के जयकारों से गूंजते इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि जहाँ आस्था की शक्ति होती है, वहाँ एकता और आनंद का प्रकाश सदा फैला रहता है।

डॉ. सुनीता सूद से फ़र्स्टवन टीम की प्रेरणादायी भेंट- मिली नई दिशा और उमंग

नोएडा (चेतना मंच)। सोमवार को फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन सेक्टर 70 के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी ने देश में फ़िज़ियोथेरेपी को प्रतिष्ठित स्थान दिलाने वाली अग्रणी हस्ती, आई.पी.एच. दिल्ली की प्रथम बैच की वरिष्ठ फिज़ियोथेरेपिस्ट एवं होली फ़ैमिली अस्पताल में 40 से अधिक वर्षों तक सेवाएँ देने वाली डॉ. सुनीता सूद से भेंट की।

इस अवसर पर टीम ने डॉ. सूद से आशीर्वाद प्राप्त किया और उन्हें आगामी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हेतु आमंत्रित किया। यह सम्मेलन विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस (4-5 अक्टूबर 2025) के उपलक्ष्य में गाज़ियाबाद में फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन एवं भागीरथ सेवा संस्थान द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

भेंट के दौरान फ़ाउंडेशन की ओर से बच्चों द्वारा तैयार की गई विशेष पत्रिका भी डॉ. सूद को भेंट की गई। यह पत्रिका बच्चों की रचनात्मकता और उनकी प्रतिभा का सुंदर प्रतिबिंब है।

डॉ. सूद से हुई यह मुलाक़ात फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन एवं भागीरथ सेवा संस्थान की टीम के लिए अत्यंत प्रेरणादायी और उत्साहवर्धक रही। टीम ने व्यक्त किया कि वे डॉ. सूद के उस मार्गदर्शन और संघर्ष को सलाम करते हैं, जिसके बल पर उन्होंने भारत में फ़िज़ियोथेरेपी के क्षेत्र की राह प्रशस्त की और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त नींव रखी।

भाजपा ने किया व्यापारियों को जागरूक

भदोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में गोपीगंज नगर में प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए ऐतिहासिक जीएसटी फैसले के संबंध में व्यापारियों को जागरूक किया गया। त्रिमुहानी नटखट रेस्टोरेंट से पिज़्ज़ा गार्डन तक जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी और क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने लगभग 50 दुकानदारों से संपर्क कर जीएसटी संबंधित जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान बड़वापुर स्थित उत्कर्ष त्रिपाठी के यहां श्रीमद् भागवत कथा के मां दुर्गा पंडाल में पहुंचकर सभी ने मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने प्रधानमंत्री के निर्णय की सराहना करते हुए इसे बड़े उद्यमियों, व्यापारियों और छोटे उद्योगों के लिए सुनहरा अवसर बताया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी, अखिलेंद्र सिंह बघेल, चिंटू गोवर्धन राय, मनीष पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने जीआईएमएस हॉस्पिटल को दिए जरूरी मेडिकल उपकरण

ग्रेटर नोएडा। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा ने जीआईएमएस हॉस्पिटल, कासना में जरूरतमंद मरीजों के लिए महत्वपूर्ण मेडिकल उपकरण प्रदान किए। क्लब सदस्य दीपांशु गर्ग ने बताया कि हॉस्पिटल को कान की मशीन, बेल्ट, वॉकर, स्टिक सहित अन्य जरूरी सामान दिया गया।

जीआईएमएस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश गुप्ता ने रोटरी क्लब के इस सामाजिक कार्य की सराहना की और क्लब को सम्मान स्वरूप एक ट्री प्लांट देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में क्लब के सदस्य मुकुल गोयल, शुभम सिंघल, सुमित गर्ग, शुभम गोयल, दीपांशु गर्ग, डॉ. शिखर जौहरी और डॉ. सीमा उपस्थित रहे।

Name Change

I, Deepak Bhati R/O- village ladpura, Greater Noida. Gautambudh Nagar, UP-201310. affirms that my son's correct name is YOGYA BHATI as Mentioned in Aadhar Card but by mistake in his school record my son's name is mentioned as YASH KUMAR which is incorrect . My son's correct name YOGYA BHATI should be updated in school record (RAM- EESH International School) instead of YASH KUMAR.

दीपावली से पहले सभी 75 जिलों में होगा 'स्वदेशी मेला'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्तशिल्पियों, उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा मंच देने के लिए इस वर्ष दीपावली से पहले पूरे प्रदेश में 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने की घोषणा की है। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस बार राज्य के सभी 75 जिलों में लगभग 9 से 10 दिन का व्यापार मेला आयोजित होगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS) के बैनर तले होगा और उसके नीचे 'स्वदेशी मेला' लिखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए 'लोकल टू वोकल' मंत्र को आत्मसात करना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि अब तक इस तरह के मेले 18 मंडलों तक सीमित थे, लेकिन इस बार पूरे प्रदेश में विस्तार किया गया है। इससे हस्तशिल्प उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा बाजार मिलेगा और उनके उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचेंगे। साथ ही, जीएसटी सुधारों का लाभ भी उपभोक्ताओं तक पहुँचाने की योजना है।

इन मेलों का शुभारंभ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मंत्री और विधायक करेंगे। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाएगी, जिससे न केवल कारीगरों को लाभ होगा बल्कि उपभोक्ताओं को भी सीधे मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध होगा।

अगले वर्ष और भव्य होगा आयोजन

मंत्री ने बताया कि UPITS-2025 का तीसरा चरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। अगले वर्ष 25 से 29 सितंबर 2026 को इसके चौथे चरण का आयोजन और भी वृहद पैमाने पर किया जाएगा। इस बार की कमियों पर विचार करके आयोजन को और व्यापक स्वरूप देने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में तीन यूनिटी मॉल (लखनऊ, वाराणसी और आगरा) की स्थापना केंद्र सरकार की फंडिंग से शुरू हो चुकी है। कुछ स्थानों पर भूमि चिन्हित कर शिलान्यास हो गया है। राकेश सचान ने कहा कि राज्य सरकार की योजना है कि सभी 75 जिलों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जाएं, जिससे हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सके। इन यूनिटी मॉल में सभी 75 जनपदों के उत्पादों के साथ ही अन्य राज्यों के ओडीओपी भी रखे जाएंगे।

सीता हरण व राम-सुग्रीव मित्रता का हुआ मनोहारी मंचन

नोएडा (चेतना मंच)। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के अष्टम दिन मुख्य अतिथि नोएडा प्राधिकरण के विशेष कार्य अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह,पूर्व परियोजना अभियंता एमपी शर्मा,हिन्दू युवा वाहिनी नोएडा के अध्यक्ष टीसी गौड़,नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर रामलीला का शुभारंभ किया गया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

प्रथम दृश्य में रावण दरबार में सुर्पणखा विलापकरती हुई पहुंचती हैं। रावण सुर्पणखा की दशा देखकर उससे पूछता है कि उसका नाक किसने काटा। सुर्पणखा बताती है कि राम लक्ष्मण दशरथ के पुत्र हैं । राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने उसकी नाक कटी हैं और उन्होंने खरदूषण का भी वध कर दिया ।

रावण सोचता है खर दूषण को मारने वाला कोई साधारण मनुष्य नहीं हो सकता , निश्चित ही

कोई अवतार है ।रावण मारीच के पास जाता है और राम से बदला लेने के लिए कपट मृग बनने को कहता है। मारीच सोने का मृग बनकर पंचवटी से निकलता है तो सीता राम जी से उस स्वर्ण मृग की खाल लाने को कहती हैं ।राम जी उसके पीछे जाते हैं और उस स्वर्णमृग को एक बाण से मार देते हैं ।मारीच मरते समय, है लक्ष्मण! है लक्ष्मण! पुकारता है।

इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल,मुकेश गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया, चक्रपाणि गोयल,अनंत वर्मा,राजेश माथुर, साहिल चौधरी,नवीन पोरवाल, दयाशंकर तिवारी, दीपक अग्रवाल, बाबूराम शर्मा सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्य व शहर के व्यक्ति उपस्थित रहे।

डीएम ने ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी

मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट सुरजपुर स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस गोदाम में पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भाजपा से जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी, कांग्रेस से एड0 कपिल भाटी, सपा से अनूप तिवारी, आम आदमी पार्टी से जिला अध्यक्ष राकेश अवाना व जीतू गुर्जर सहित अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार/उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस में पहुंचकर वेयर हाउस का बहुत ही गहनता के साथ अवलोकन किया, वहां की सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त मिली। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने खिड़कियों एवं रोशनदान की सुरक्षा का भी जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के दौरान ईवीएम/ वीवीपैट वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में प्रीपोंडेरेंस ऑफ शक्ति का भव्य आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा के प्रांगण में 'प्रीपोंडेरेंस ऑफ शक्ति'

नामक भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। यह विशेष प्रस्तुति नवदुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित थी, जिसने अपनी अद्वितीय कलात्मकता, आध्यात्मिक वातावरण और सांस्कृतिक गहनता से सभी दर्शकों को अभिभूत कर दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती संयोगिता शर्मा (निदेशिका, मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल) उपस्थित थी। साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रतिष्ठित सदस्य, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ भी समारोह के साक्षी बने।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती निंदिया साकेत ने मुख्य अतिथि एवं सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए अपने प्रेरक विचार साझा किए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान कक्षा तीन व चार के छात्र-छात्राओं ने नारी शक्ति के विविध स्वरूपों का ऐसा प्रभावशाली मंचन किया कि सभी लोग भावविभोर हो गए। निदेशिका श्रीमती संयोगिता शर्मा, प्रधानाचार्या श्रीमती निंदिया साकेत एवं कार्यकारी निदेशक लवकेश मग्गू ने इस कलात्मक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं से जोड़ते हैं तथा विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति पर गर्व की भावना विकसित करते हैं। आज भी दुर्गा हर बालिका, हर नारी में विद्यमान है। आवश्यकता है अपनी शक्ति को पहचानने की।

समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के प्रेरणादायी आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहन देने का आश्वासन प्रदान किया गया।

विधान परिषद निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण को लेकर बैठक संपन्न

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में उत्तर प्रदेश विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्य के संबंध में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले की तीनों तहसीलों में नामावली पुनरीक्षण कार्य हेतु 13 मतदान केंद्र/पदाभिहित स्थल निर्धारित किए गए हैं, जहाँ स्नातक मतदाताओं को फार्म-18 तथा शिक्षक मतदाताओं को फार्म-19 उपलब्ध कराए जाएंगे तथा भरे हुए फार्म प्राप्त किए जाएंगे।

निर्धारित मतदान केंद्र इस प्रकार हैं

तहसील दादरी: श्री अग्रसेन आदर्श इंटर कॉलेज रेलवे रोड दादरी, एनटीपीसी विद्युत नगर दादरी, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेक्टर-39 नोएडा, पंचशील बालक इंटर कॉलेज सेक्टर-91 नोएडा, बादामी देवी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बिसरख, परसन्दी देवी पब्लिक स्कूल छपरौला।

तहसील सदर: अमीचंद इंटर कॉलेज कासना, आईटीआई रुड़की नॉलेज पार्क-2 ग्रेटर नोएडा, बिहारी लाल इंटर कॉलेज दनकौर, राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज बिलासपुर।

तहसील जेवर : जनता इंटर कॉलेज जेवर, इंटर कॉलेज रबूपुरा, पब्लिक इंटर कॉलेज जहांगीरपुर।

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, पदनामित एवं अतिरिक्त पदनामित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता से संपन्न कराये। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि सभी पात्र स्नातक एवं शिक्षक मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित हो। वोटर फॉर्म वितरण एवं संकलन की प्रक्रिया पूर्णत: निष्पक्ष एवं व्यवस्थित हो।

संबंधित पदनामित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार पुनरीक्षण कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग करें तथा प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर उपलब्ध कराएंगे।

बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगणों के साथ-साथ उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

नोएडा में बदला....

एक कम दबाव का क्षेत्र बनने से हवाओं में बदलाव की संभावना से प्रदेश में मौसम आमतौर पर तीन अक्टूबर तक परिवर्तनशील रहने और बीच बीच में आंशिक बादल रहने

बीते दो दिनों से दिल्ली-एनसीआर में उमस भरी गर्मी का माहौल बना हुआ है। अधिकतम तापमान लगभग 34°C से 37°C के आसपास और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। हालांकि, आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। कुछ इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) मध्यम श्रेणी में बना हुआ है।

कार सवार युवकों...

स्विफ्ट कार की रगड़ लगने से उनकी कार बाल बाल बची। इस पर उसके भाई शिवम ने कार चालक को ठीक से गाड़ी चलाने के लिए कहा इस पर वह भड़क उठा और गाली गलौज करने लगा। कार सवार युवक ने फोन कर अपने दो अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया और तीनों ने उनके साथ मारपीट की। मारपीट में उसे तथा उसके भाई को चोटें आई हैं। इस दौरान उन्होंने डॉयल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी पुलिस के आने से पहले ही दोनों युवक जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

सोसायटी से टोटियां ...

मूल रूप से जनपद जौनपुर के रहने वाले रोहित यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह आम्रपाली गोल्फ होम्स गौर सिटी-2 सोसाइटी में सिक्योरिटी ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। 29 सितंबर को वह ड्यूटी पर था इस दौरान संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति प्लास्टिक के कट्टे के साथ जाता हुआ दिखाई दिया। संदेह के आधार पर उन्होंने उक्त व्यक्ति को रोक लिया। कट्टे की तलाशी लेने पर उसमें से स्टील की टोटियां बरामद हुई। पकड़े गए युवक ने अपना नाम शाहरुख पुत्र शरीफ निवासी चंदौसी जनपद संभल बताया। आरोपी ने बताया कि वह हाल में रिछपाल गाड़ी में रह रहा है उसने यह टोटी टॉवर के एक फ्लैट से चोरी की थी आज वह इन टोंटियां को सोसाइटी से लेने के लिए आया था। रोहित यादव ने बताया कि इसके बाद उसने पुलिस को सूचना देकर पकड़े गए चोर को पुलिस के हवाले कर दिया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भव्य होगा ऋषिपाल...

कार्यक्रम में इस बार देश के महत्वपूर्ण पहलवान हिस्सा लेंगे। बैठक में मुख्य रूप से एडवोकेट महेंद्र अवाना, नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राजकुमार सिंह, ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य धर्मवीर चौधरी, अजब सिंह कसाना, अतर सिंह वेद प्रधान, ओमवीर सिंह, सुशील कसाना, सत्यप्रकाश चोहान, साहबराम भाटी सहित कई लोग मौजूद थे।

नोएडा प्राधिकरण की...

प्रस्ताव बोर्ड बैठक में रखे जाएंगे। शहर में करीब ढाई साल से वाटर मीटर लगे हुए हैं लेकिन प्राधिकरण अभी यूनिट शुल्क तय नहीं कर सका है। अधिकारियों ने बताया कि यूनिट शुल्क तय करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

यूपीआईटीएस-2025 में ...

समापन सत्र में राज्य मंत्रिमंडल के उच्च-प्रोफाइल मंत्री शामिल थे, जिन्होंने निरंतर औद्योगिक विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। एम0एस0एम0ई0, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने विशेष रूप से एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र और खादी जैसे पारंपरिक शिल्पों के पुनरुद्धार की वकालत की। उन्होंने इन उद्योगों को समावेशी राज्यव्यापी विकास के लिए महत्वपूर्ण माना। औद्योगिक विकास एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री, नंद गोपाल गुप्ता (नंदी) ने राज्य की नीतियों के आधार पर कहा कि इन नीतियों ने यूपी को वैश्विक निवेश और व्यापार के लिए एक प्रतिस्पर्धी और विश्वसनीय गंतव्य के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

अपर मुख्य सचिव, एम0एस0एम0ई0 और उद्योग आलोक कुमार, आईएएस द्वारा यूपीआइटीएस-2025 पर विस्तृत जानकारी दी, जिसमें शो की उपलब्धियों का सार बताया। उन्होंने बताया कि इस अद्वितीय आयोजन में 2,228 प्रदर्शक, 85 देशों से आए 525 अंतर्राष्ट्रीय खरीदार, 1,40,735 घरेलू बी2बी खरीदार और 3,66,364 बी2सी विजिटर शामिल हुए। 1,10,000 वर्ग मीटर का पूरा प्रदर्शनी क्षेत्र बुक हुआ और अतिरिक्त स्थान की भी व्यवस्था की गई। यूपीआइटीएस-2025 में रूस पार्टनर कंट्री रहा, जिससे आयोजन को विशेष महत्व मिला। 26 सितम्बर को आयोजित इंडिया रूस बिजनेस डायलॉग में 111 बी2बी मीटिंग्स हुईं, जिनमें 30 रूसी कंपनियों ने मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा, अवसंरचना, एफएमसीजी, आईटी और डिजिटल सॉल्यूशंस, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन और पशुपालन क्षेत्रों में 90 भारतीय एमएसएमई व निर्यातकों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि इंडो रशियन बिजनेस राउंडटेबल में 50 से अधिक गणमान्य व्यक्ति और उद्योग जगत के नेता शामिल हुए। चर्चाओं में डिफेंस व एयरोस्पेस, वित्तीय सेवाएं, आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स, एमएसएमई व्यापार और शिक्षा जैसे क्षेत्र प्रमुख रहे।

प्रमुख सचिव ने बताया कि आयोजन में 17 नॉलेज सेशंस आयोजित हुए, जिनमें नीति-निर्माता, उद्योग जगत के नेता, वैश्विक खरीदार और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए। विषयों में विकसित यूपी 2047, 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में स्टार्ट-अप्स की भूमिका और एमएसएमई के लिए ई-कॉमर्स की क्षमता शामिल रहे। यह कॉन्क्लेव युवाओं को नवाचारी बिजनेस आइडिया प्रस्तुत करने का मंच बना। इसमें 113 स्टॉल लगे, जिनमें 49 फ्रैंचाइज ब्रांड, 64 मशीनरी सप्लायर और 26 बिजनेस ऑन व्हील्स शामिल रहे। 7,500 से अधिक रजिस्ट्रेशन, 8,300 बिजनेस इंक्वायरी और 2,000 से अधिक छात्रों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई। यूपीआइटीएस-2025 के तीसरे संस्करण में लगभग 11,200 करोड़ की व्यावसायिक पूछताछ दर्ज हुई। आयोजन में सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और वैश्विक संस्थानों के बीच 2,400 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनकी कुल राशि 1,882 करोड़ रही।

इंडिया एक्सपो मार्ट के चेयरमैन और सह-आयोजक, राकेश कुमार ने सामूहिक प्रयास की सराहना की और प्रदर्शकों को इवेंट की वास्तविक शक्ति बताया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों सहित सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया और उल्लेख किया कि यूपीआइटीएस-2025 ने सफलतापूर्वक ऐसी साझेदारियों को बढ़ावा दिया है जो आने वाले वर्षों तक आजीविका को बढ़ावा देंगी।

अंतिम दिन चीनी और गन्ना विभाग द्वारा सतत विकास हमारा प्रयास पर एक महत्वपूर्ण ज्ञान सत्र भी आयोजित किया गया। इसके साथ ही, रोबोटिक्स/एआई प्रतियोगिता और बैटल ऑफ बैंड्स जैसी उच्च-ऊर्जा युवा गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जो नवाचार और स्थिरता दोनों में गहरे निवेश वाले भविष्य का संकेत देती हैं।

यूपीआइटीएस-2025 के समापन अवसर पर पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मंत्री नरेन्द्र कश्यप, आयुक्त एवं निदेशक उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन विभाग के0 विजयेन्द्र पांडियन, एडिशनल आयुक्त उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन विभाग राजकमल यादव, जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित प्रशासन व प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अंदाज व सूफी बैण्ड की...

समारोह को अद्वितीय गरिमा प्रदान की। इन विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने न केवल दर्शकों का मन मोह लिया, बल्कि समापन समारोह को एक ऐतिहासिक और यादगार स्वरूप प्रदान किया।

यह आयोजन कला, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसन केवल उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ किया है।

उल्लेखनीय है कि इस भव्य आयोजन ने उत्तर प्रदेश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं और लोक-शास्त्रीय कलाओं को एक मंच पर प्रस्तुत किया, जिससे आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। इस आयोजन न केवल कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराया है, बल्कि देश-विदेश से आए दर्शकों और प्रतिभागियों को भी उत्तर प्रदेश की समृद्ध धरोहर और सांस्कृतिक वैभव का सजीव अनुभव कराया। इस प्रकार, यह कार्यक्रम कला-संवर्धन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और वैश्विक पहचान की दृष्टि से एक ऐतिहासिक पहल के रुप में स्थापित्त हुआ।

उधार के पैसे मांगने पर धारदार हथियार से हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दोस्त को उधार दिए गए पैसे वापस मांगना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। पैसे मांगने से गुस्साए युवक ने धारदार हथियार से वार कर अपने दोस्त को घायल कर दिया। पीड़ित ने थाना फेस-3 में मुकदमा दर्ज कराया है।

जनपद हाथरस निवासी रुद्रक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में गढ़ी चौखंडी गांव में किराए पर रह रहा है। उसके दोस्त देवेंद्र कुमार ने जयवर्धन को 15 हजार रुपए उधार दिए थे। देवेंद्र कुमार 28 सितंबर की रात्रि को जयवर्धन से अपने पैसे लेने के लिए गया था। पैसे का तकादा करने के दौरान दोनों के बीच वाद विवाद हो गया। इस दौरान जयवर्धन ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान जयवर्धन ने धारदार हथियार से वार कर देवेंद्र कुमार को घायल कर दिया। घायल करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। देवेंद्र के दोस्त रुद्रक ने आरोपी के खिलाफ थाना फेस 3 में मुकदमा दर्ज कराया है।

ताला तोड़कर नगदी जेवरात चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के श्री साईं एंक्लेव तिलपता में रहने वाले एक व्यक्ति के घर में चोरों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया। चोर घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात, जरूरी कागजात, टीवी, होम थिएटर व अन्य सामान चोरी कर ले गए। घटना के समय गृह स्वामी अपने परिवार के साथ यात्रा पर गया हुआ था।

श्री साईं एनक्लेव तिलपता निवासी सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने पुलिस में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि वह अपने परिवार के साथ अगस्त माह में यात्रा पर गए थे। 11 अगस्त को चोरों ने उसके घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर उनके घर में रखी अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात, कागजात, घर का टीवी, होम थिएटर व अन्य सामान चोरी कर ले गए। यात्रा से वापस आने पर उन्हें इस घटना की जानकारी मिली। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

अंतरमन के युद्ध में जीत ही असली दशहरा

सुरेश गांधी

आश्विन मास की शुक्ल पक्ष दशमी, जिसे विजयादशमी कहा जाता है, भारतीय सांस्कृतिक चेतना का ऐसा पर्व है, जो हर बार हमें आत्मशुद्धि, नैतिक बल और सामूहिक शक्ति के नये आयाम से परिचित कराता है। नवरात्र के नौ दिन शक्ति-साधना और देवी आराधना के बाद यह दसवां दिन केवल राम-रावण युद्ध की विजयगाथा भर नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर छिपी बुराइयों, द्वेष, क्रोध, लालच और अहंकार को अग्नि में समर्पित कर, नयी ऊर्जा से जीने का संदेश देता है। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दशहरा आते ही पूरे देश में 'बुराई पर अच्छाई की जीत' का उद्घोष गूंजने लगता है। नगरों से लेकर गांवों तक रावण दहन की तैयारी होती है। लेकिन हर साल रावण के पुतले जलाने के बावजूद समाज के भीतर की असली बुराइयां, दहेज के दानव, बलात्कार, हिंसा, भ्रष्टाचार, महंगाई, अपराध, क्यों और कैसे जीवित रह जाती हैं? यह प्रश्न हर विजयादशमी पर हमारे सामने खड़ा हो जाता है। लोग भूल जाते हैं कि रावण महापंडित और महाज्ञानी था, लेकिन अपने बल और ज्ञान के अहंकार में उसने खुद को भगवान मान लिया। यही उसका पतन बना। आज के दौर में भी हमारे आसपास ऐसे कई 'रावण' हैं, जो अहंकार और स्वार्थ में डूबे हैं, दहेज के लोभी, महिलाओं के प्रति हिंसा करने वाले, सत्ता और धन के मद में चूर अपराधी। आंकड़े बताते हैं कि नारी उत्पीड़न से लेकर लूटपाट और हत्याओं तक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि जब तक इन सामाजिक रावणों को हम नहीं जलाएंगे, तब तक रावण दहन का असली संदेश अधूरा ही रहेगा।

नवरात्रि के नौ दिनों में हम देवी के विभिन्न रूपों की पूजा करते हैं, दुर्गा, काली, शैलपुत्री, कुष्मांडा, जो आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रतीक हैं। विजयादशमी इन आराधनाओं का अंतिम क्षण है, जब हम यह संकल्प लेते हैं कि भीतर और बाहर की बुराइयों पर विजय प्राप्त करेंगे। प्राचीन परंपरा रही है कि इसी दिन राजा शस्त्र पूजन कर रणयात्रा

के लिए प्रस्थान करते थे। यह दिन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक शक्तियों, मनोबल, धर्मबल, संयम और साहस का लेखा-जोखा करने का अवसर भी है। रावण रथ पर सवार था, असंख्य अस्त्र-शस्त्रों से लैस था, जबकि राम निःशस्त्र थे। परंतु सत्य और धर्म उनके साथ थे। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा "रावण रथी विरथ रघुबीरा।" राम का आत्मबल और धर्म के प्रति निष्ठा ही उनकी विजय का आधार बनी। यही दशहरा का सार है कि बाहरी सामर्थ्य से अधिक महत्त्वपूर्ण है आंतरिक निष्ठा और आत्मबल। आज के समाज को भी यही सीख चाहिए कि बाहरी हथियारों से नहीं, बल्कि सत्य, साहस और सामूहिक संकल्प से ही बुराई पर काबू पाया जा सकता है। दशहरा केवल धार्मिक आस्था का उत्सव नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि शक्ति ही सृष्टि का मूल तत्व है, 'शक्ति सृजति ब्रह्मांडम्'। दुर्गा की अष्टभुजा आठ शक्तियों का प्रतीक है, शरीर-बल, विद्या-बल, चातुर्य-बल, धन-बल, शस्त्र-बल, शौर्य-बल, मनोबल और धर्म-बल। इन शक्तियों को अर्जित किए बिना न तो व्यक्ति और न ही समाज असुर प्रवृत्तियों का अंत कर सकता है। रावण का प्रतीकात्मक दहन हमें बताता है कि समाज में पनपती हिंसक प्रवृत्तियां, चाहे वह उग्रवाद हो या माओवादी सोच, रावण की ही आधुनिक छाया हैं।

यह पर्व हमें निडर होकर इनसे सामना करने का साहस देता है। साथ ही यह साम्प्रदायिक सौहार्द की जीवंत मिसाल भी है। देशभर में रामलीला मंचन में मुस्लिम कलाकारों की भागीदारी, पूजा सामग्री बनाने से लेकर पुतला तैयार करने तक में मुस्लिम परिवारों का योगदान भारत की साझी संस्कृति को और मजबूत करता है। भारत की विविधता इस पर्व को और भी विराट बनाती है, बंगाल, उड़ीसा, असम में दुर्गा पूजा की भव्यता और सिंदूर खेला का उल्लास। महाराष्ट्र में सरस्वती वंदना और स्वर्णपत्र विनिमय की परंपरा। कुल्लू (हिमाचल) में देवताओं की पालकी और नृत्य-गान का अद्भुत संगम। बस्तर में मां दंतेश्वरी की आराधना, जो पंद्रहवीं शताब्दी से चली आ रही है। मैसूर की रोशनी से सजी सड़कों और हाथी सज्जित जुलूस की भव्यता। गुजरात का गरबा और डांडिया, जहां भक्ति और लोकसंगीत पूरी रात गूंजते हैं। दक्षिण भारत में लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की क्रमिक पूजा का गूढ़ आध्यात्मिक संदेश। विजयादशमी केवल पौराणिक प्रसंगों की पुनरावृत्ति नहीं, बल्कि अपने समय को समझने और समाज को जोड़ने का संकल्प है। जब हम रावण के पुतले को जलाते हैं, तो हमें यह भी याद रखना चाहिए कि असली जीत दूसरों पर नहीं, बल्कि अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर होती है। यही इस पर्व का चिरस्थायी संदेश है, आत्मशुद्धि, सामाजिक समरसता और अडिग मर्यादा की विजय। मतलब साफ है विजयादशमी केवल एक पौराणिक उत्सव नहीं, बल्कि धर्म, शक्ति और आत्मबल की साधना का जीवंत प्रतीक है। यह दिन याद दिलाता है कि असत्य चाहे कितना ही प्रबल क्यों न हो, अंततः जीत सत्य की ही होती है। श्रीराम का रावण पर विजय प्राप्त करना, देवी दुर्गा का महिषासुर का वध करना, समाज को यही शिक्षा देता है कि आंतरिक और बाहरी आसुरी प्रवृत्तियों का अंत तभी संभव है जब हम अपने भीतर की शक्ति को जागृत करें।

राम की मर्यादा और वैश्विक आकर्षण

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारतीय संस्कृति के शाश्वत नायक हैं। उनके आदर्शों की गूंज केवल अयोध्या या काशी तक सीमित नहीं, बल्कि इंडोनेशिया के रामायण काकावीन, थाईलैंड के रामकियेन और कंबोडिया से लेकर श्रीलंका, चीन तक सुनाई देती है। हजारों वर्षों बाद भी यह पर्व अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध अडिग रहने की प्रेरणा देता है। सीता-लक्ष्मण संवाद, जिसमें "भाई सा जग में मित्र नहीं, भाई सा शत्रु नहीं" जैसे वाक्य आज भी लोकजीवन में ताने की तरह गूंजते हैं, हमें यह सोचने को विवश करते हैं कि पारिवारिक रिश्तों की कसौटी समय के हर युग में कठिन रही है। विजयादशमी हमें उन रिश्तों की मर्यादा और विश्वास को फिर से परखने का अवसर देती है।

समरसता का संदेश

रामनामी चुनरी से लेकर दशहरा पंडालों की सजावट तक, हिन्दू-मुस्लिम साझी परंपरा यह सिद्ध करती है कि त्योहार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि समाज-विरोधी ताकतें यहां कभी पूरी तरह सफल नहीं हो पातीं।

विश्वामित्र संहिता का अद्भुत रहस्य

विश्वामित्र संहिता में वर्णित है कि लंका युद्ध के दौरान जब श्रीराम ने देखा कि उनकी वानर सेना लगातार क्षीण हो रही है, तो वे युद्ध भूमि में ही आसन लगाकर गुरु विश्वामित्र का ध्यान करने लगे। गुरु के मानस रूप के प्रकट होने पर राम ने अपनी व्याकुलता प्रकट की, सभी विद्याओं के बावजूद रावण का अंत असंभव क्यों हो रहा है?

दशहरे पर इस खास पौधे को लगाने से मिलते हैं विजय और समृद्धि के अद्भुत लाभ

हिंदू धर्म में इस पौधे का विशेष महत्व बताया गया है। रामायण की कथा के अनुसार, भगवान राम ने रावण से युद्ध से पहले इस पौधे के वृक्ष के सामने झुककर विजय की कामना की थी। इसलिए दशहरे पर इसकी पूजा करना शक्ति और विजय पाने का प्रतीक माना जाता है।

महाभारत में भी इसका उल्लेख मिलता है। पांडवों ने अपने वनवास के दौरान अपने दिव्य अस्त्र-शस्त्र इसी पौधे के वृक्ष में छिपा दिए थे। अज्ञातवास समाप्त होने के बाद उन्होंने इन्हीं अस्त्रों को निकालकर महाभारत का युद्ध जीता। इसलिए इसे साहस और सफलता का प्रतीक माना जाता है।

दशहरे पर इस पौधे को लगाने के फायदे

सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति

इस पौधे को घर में लगाने से वातावरण शुद्ध और सकारात्मक बनता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और मन को शांत रखता है। दशहरे के दिन इसे लगाना घर में शांति और खुशी बनाए रखने के लिए शुभ माना जाता है।

आर्थिक समृद्धि और सौभाग्य

वास्तु शास्त्र में इस पौधे को सौभाग्य का कारक माना गया है। इसे घर या ऑफिस में लगाने से आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और नई अवसरों के द्वार खुलते हैं। इसे घर के पश्चिम या दक्षिण दिशा में लगाना विशेष रूप से लाभदायक माना जाता है।

विजय और सुरक्षा का प्रतीक

दशहरा विजय का पर्व है और यह पौधा विजय का प्रतीक माना जाता है। इसे लगाने से जीवन में आने वाली रुकावटें कम होती हैं और आत्मविश्वास बढ़ता है। घर के मुख्य द्वार के पास इसे लगाने से नकारात्मक ऊर्जा बाहर ही रुक जाती है।

पर्यावरण के लिए फायदेमंद

यह पौधा सूखी जमीन में भी आसानी से उगता है और मिट्टी के कटाव को रोकता है। यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है और छोटे जीव-जंतुओं व पक्षियों के लिए आश्रय प्रदान करता है। इसे लगाना पर्यावरण के लिए भी अच्छा कदम है।

5। औषधीय उपयोग

इस पौधे की पत्तियां और छाल कई आयुर्वेदिक औषधियों में प्रयोग की जाती हैं। यह सूजन, घाव और पाचन संबंधी समस्याओं में फायदेमंद मानी जाती है। इसके फल भी खाने योग्य होते हैं और सेहत के लिए लाभकारी हैं।

लगाने और देखभाल का तरीका

इसे धूप वाली जगह लगाएं, क्योंकि इसे सीधी धूप पसंद है।

मिट्टी अच्छी तरह निथरी हुई होनी चाहिए ताकि पानी जमा न हो।

शुरुआती दिनों में नियमित पानी दें, लेकिन बाद में यह बहुत कम पानी में भी हरा-भरा रहता है।

समय-समय पर सूखी शाखाएं काटते रहें ताकि पौधा स्वस्थ बना रहे।

पूजा विधि

दशहरे के दिन इस पौधे की पूजा सुबह या रावण दहन से पहले की जाती है। इसकी पत्तियों पर हल्दी-कुमकुम और चावल चढ़ाकर दीपक जलाया जाता है। इसके बाद पत्तियां घर लाकर तिजोरी या मंदिर में रखी जाती हैं ताकि घर में धन और समृद्धि बनी रहे।

दशहरे पर यह पौधा लगाना केवल धार्मिक रिवाज नहीं बल्कि जीवन में सकारात्मकता, सफलता और समृद्धि को आमंत्रित करने का तरीका है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्ची विजय सिर्फ बाहर की नहीं बल्कि अंदर की बुराइयों पर भी होनी चाहिए। यह पौधा घर और मन दोनों में शांति और खुशहाली लेकर आता है।

पहाड़ों पर चमत्कारी 'जल'... पीने से दूर हो जाती है हकलाहट!

नैनीताल. उत्तराखंड को 'देवभूमि' कहा जाता है क्योंकि यहां हर कदम पर आस्था और श्रद्धा से जुड़े मंदिर स्थित हैं। इन्हीं में से एक है नैनीताल की ठंडी सड़क पर स्थित मां पाषाण देवी मंदिर, जहां भक्तों की हर मनोकामना पूरी होने का विश्वास किया जाता है। खास बात यह है कि यहां माता की मूर्तियां किसी शिल्पकार द्वारा नहीं बनाई गईं, बल्कि स्वयं चट्टान पर से हकलाने की समस्या दूर हो जाती है। इतना ही नहीं, त्वचा रोग, सफेद दाग और जोड़ों की सूजन जैसी बीमारियां भी इस जल से ठीक हो जाती हैं। यही कारण है कि यह मंदिर न सिर्फ स्थानीय श्रद्धालुओं बल्कि दूर-दराज के शहरों से आने वाले भक्तों के लिए भी आस्था का केंद्र बन चुका है। दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़ और लखनऊ जैसे बड़े शहरों से भी

उभरी हुई हैं। यही वजह है कि इस मंदिर की ऐतिहासिक स्थापना के कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था ने इसे अत्यधिक मान्यता दी है।

मां पाषाण देवी मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां एक साथ 9 रूपों में मां भगवती के दर्शन होते हैं।

मंदिर के पुजारी जगदीश भट्ट के अनुसार, प्रतिदिन मां की पिंडियों का शंख से निकाले गए जल से अभिषेक किया जाता है। इसके बाद इस जल को अभिमंत्रित कर भक्तों को प्रसाद स्वरूप दिया जाता है।

दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़ के भक्तों की लगती है भीड़

भक्तों का विश्वास है कि इस जल के सेवन और इससे स्नान करने लोग यहां जल लेने पहुंचते हैं।

मां के चमत्कारों का जीवंत उदाहरण

पुजारी जगदीश भट्ट बताते हैं कि पहले मंदिर से यह जल महीने में केवल एक बार निकाला जाता था, लेकिन श्रद्धालुओं की बढ़ती मांग को देखते हुए अब हर 10 दिन में एक बार जल निकाला जाता है। हर बार करीब 20 से 25 लीटर जल भक्तों में वितरित किया जाता है। मान्यता है कि नैनी झील के किनारे स्थित पाषाण देवी मंदिर श्रद्धालुओं को न सिर्फ आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है, बल्कि मां के चमत्कारों का जीवंत उदाहरण भी है। नवरात्रि के अवसर पर यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है और भक्त दूर-दूर से दर्शन करने आते हैं।

दशहरा पर क्यों खाते हैं पान और जलेबी

दशहरा का नाम सुनते ही आंखों के सामने रावण दहन का दृश्य, रामलीला के मंच पर जय श्रीराम के नारे और पूरे मोहल्ले में गूंजती शंख-घंटियों की आवाज ताजा हो जाती है। यह त्योहार सिर्फ बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक नहीं है, बल्कि पूरे नवरात्र के उपवास और तपस्या का फल भी है। नौ दिन व्रत रखने के बाद जब विजयदशमी आती है तो लोग इसे पूरे जोश और उत्साह से मनाते हैं। पूजा-पाठ के बाद लोग नए कपड़े पहनते हैं, रिश्तेदारों से मिलते हैं और खास तरह का खाना खाते हैं। इस दिन की एक और खास बात है- पान और जलेबी खाने की परंपरा।

जलेबी खाने की खास वजह

दशहरे के दिन जलेबी खाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। लोक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम को शशकुली नामक मिठाई बहुत पसंद थी, जिसे आज की भाषा में जलेबी कहा जाता है। कहा जाता है कि रावण पर विजय पाने के बाद भगवान राम ने इसी मिठाई को खाकर जीत का जश्न मनाया था। तभी से यह परंपरा बन गई कि दशहरा के दिन जलेबी खाई जाए ताकि जीत की मिठास बनी रहे। हालांकि शास्त्रों में इसका सीधा उल्लेख नहीं मिलता, लेकिन मान्यता के अनुसार इसे शुभ माना जाता है।

जलेबी – मीठी जीत का स्वाद

जलेबी का सुनहरा रंग और उसमें भरी मीठी चाशनी विजय और खुशहाली का प्रतीक मानी जाती है। यह हमें यह संदेश देती है कि जीवन में कठिनाइयों पर विजय पाने के बाद मिठास और खुशी बांटना जरूरी है। पूजा के बाद जलेबी खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा

भी मिलती है। गुजरात और राजस्थान में फाफड़ा-जलेबी का कॉम्बिनेशन बहुत फेमस है। उपवास के बाद नमकीन फाफड़ा और मीठी जलेबी खाना शरीर को एनर्जी देने के साथ-साथ स्वाद का मजा भी दोगुना कर देता है।

पान खाने की वजह

जलेबी के साथ पान खाने की परंपरा भी दशहरे पर खास मानी जाती है। पुराने समय में युद्ध जीतने के बाद राजा अपने सैनिकों को पान खिलाकर विजय का जश्न मनाते थे। आज भी कई जगह दशहरा के दिन लोग रावण दहन के बाद एक-दूसरे को पान खिलाकर गले मिलते हैं। पान को सम्मान, सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि पान खाने से रिश्तों में मिठास और ताजगी बनी रहती है। इसके अलावा पान में मौजूद कत्था, सुपारी, लौंग जैसी चीजें पाचन शक्ति को बढ़ाने का काम करती हैं, जो व्रत के बाद भारी भोजन खाने में मदद करती हैं।

फाफड़ा और अन्य व्यंजन

कुछ जगह दशहरा पर फाफड़ा खाने की भी परंपरा है। खासकर गुजरात में लोग फाफड़ा-जलेबी का प्रसाद लेकर रावण दहन के बाद इसे खाते हैं। यह स्वाद और परंपरा दोनों का संगम है। इसके अलावा इस दिन दही और चीनी खाने को भी शुभ माना जाता है। उड़ीसा में महिलाएं देवी को दही और पके हुए चावल का भोग लगाती हैं और उसके बाद रावण दहन की रस्म पूरी होती है। कई राज्यों में नरम और स्पंजी रसगुल्ले भी इस दिन प्रसाद के रूप में खाए जाते हैं।

त्योहार का मजा खाने से पूरा

भारतीय त्योहारों में खाना हमेशा से एक अहम हिस्सा रहा है। दशहरा पर पान और जलेबी खाना सिर्फ एक रिवाज नहीं बल्कि पूरे उत्सव का हिस्सा है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हर कठिनाई के बाद जीत मिलती है और उस जीत को मनाना भी जरूरी है। भोजन के जरिए हम उस खुशी को पूरे परिवार और समाज के साथ बांटते हैं।

दशहरा पर पान और जलेबी खाने की परंपरा सिर्फ स्वाद के लिए नहीं बल्कि सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक महत्व के लिए भी है। पान विजय और सम्मान का प्रतीक है तो जलेबी जीत की मिठास का। फाफड़ा, दही-चावल और रसगुल्ले जैसे व्यंजन इस त्योहार की खुशियों को और बढ़ा देते हैं। इसलिए इस बार जब आप दशहरा मनाएं तो पान, जलेबी और फाफड़ा जरूर खाएं और अपने प्रियजनों के साथ विजय की खुशी और मिठास साझा करें।

नवरात्रि में इस जगह रखें तुलसी का पौधा

नवरात्रि एक ऐसा पर्व है जो पूरे देश में उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। देवी दुर्गा की आराधना के इन खास दिनों में हर कोई उनकी कृपा पाने के लिए उपवास, पूजा-पाठ और विशेष अनुष्ठान करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ पूजा करना ही काफी नहीं, अगर घर में तुलसी का पौधा सही दिशा में रखा जाए तो मां दुर्गा की कृपा जल्दी प्राप्त होती है। यह न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से बल्कि ऊर्जा के स्तर पर भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

तुलसी का पौधा क्यों है खास?

तुलसी को हिंदू मान्यताओं में देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु का प्रिय माना गया है। वहीं, नवरात्रि के दौरान देवी दुर्गा की पूजा में भी तुलसी की उपस्थिति विशेष मानी जाती है। यह पौधा नकारात्मकता को दूर करता है और घर में सुख-शांति लाने में मदद करता है।

नवरात्रि में तुलसी की सही दिशा क्या होनी चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी का पौधा हमेशा घर के उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही लगाना चाहिए। इसे ईशान कोण भी कहा जाता है, जो ऊर्जा का सबसे शुद्ध स्रोत माना जाता है। इस दिशा में तुलसी रखने से घर में सकारात्मकता बनी रहती है और मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

अगर तुलसी किसी दूसरी दिशा में रखी हो, खासकर पश्चिम या दक्षिण में, तो उसे तुरंत हटा देना चाहिए। दक्षिण दिशा में तुलसी रखना अशुभ माना गया है और यह वास्तु दोष का कारण बन सकता है। ऐसे में पूजा-पाठ के बावजूद अपेक्षित फल नहीं मिलता।

नवरात्रि में तुलसी की पूजा कैसे करें?

इन पावन दिनों में, सुबह स्नान करने के बाद तुलसी की पूजा जरूर करें। एक दीया जलाएं, थोड़ा जल अर्पित करें और मन में शुद्ध भाव से प्रार्थना करें। अगर समय हो तो तुलसी के सामने बैठकर दुर्गा चालीसा या देवी स्तुति का पाठ करें। ऐसा करने से वातावरण पवित्र होता है और मानसिक शांति मिलती है। रात को तुलसी के पास दीपक जलाना भी लाभकारी माना गया है। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और घर में शुभता बनी रहती है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

-नवरात्रि के दौरान तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचें, यह शुभ नहीं माना जाता।

-तुलसी को कभी भी गंदे स्थान या बाथरूम के पास न रखें।

-पौधे को हमेशा साफ-सुथरे स्थान पर रखें और नियमित जल दें।

-सूखे या मुरझाए पत्ते हटाते रहें ताकि पौधा स्वस्थ रहे।

नवरात्रि में देवी दुर्गा की कृपा पाने के लिए पूजा और उपवास के साथ-साथ घर की ऊर्जा को भी शुद्ध रखना जरूरी है। तुलसी का पौधा, अगर सही दिशा में और श्रद्धा के साथ पूजा जाता है, तो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। नकारात्मकता दूर होती है और मन को स्थिरता मिलती है।

स्वमसूट में फोटोज पर साई पल्लवी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी की रामायण में माता सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी बीते दिन आलोचनाओं का शिकार हुई थीं। उनकी बहन पूजा कन्नन ने सोशल मीडिया पर समंदर किनारे वेकेशन मनाने की तस्वीरें शेयर की थीं। जिसके बाद एक्ट्रेस की स्विमसूट पहने कई एआई -जनरेटेड तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थी। जिस वजह से लोगों ने उन पर निशाना साझा था। अब एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट किया है। साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह और उनकी बहन कुछ दोस्तों के साथ वेकेशन मनाते दिख रहे हैं। क्लिप में दोनों बहनें समंदर किनारे आराम फरमाती दिख रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने उस वक्त जो कपड़े पहने थे, उसका भी वीडियो और फोटो पोस्ट किया, जिसे मॉर्फ किया गया है।

साई पल्लवी को बताया असली हीरा

साई पल्लवी के इस पोस्ट पर लोगों ने रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा, कैप्शन मस्त है। एक ने लिखा, एक कैप्शन से ही सबको रोस्ट कर दिया। एक ने लिखा, हम आपसे प्यार करते हैं क्वीन। एक ने लिखा, कैप्शन पसंद आया। एक ने लिखा, हम जानते हैं मैम कि आप असली हीरा हो। एक ने लिखा, आपने छिपाया लेकिन उन्होंने डिकोड कर लिया। आपने वन पीस या स्विमसूट पहना था, ये सच है।

साई पल्लवी की फिल्में

साई पल्लवी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार चंदू मोंडेती की फिल्म थंडेल में नागा चैतन्य के साथ नजर आई थीं। अब वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह आमिर खान के बेचे जुनैद खान के साथ सुनील पांडे की डायरेक्टेड फिल्म पर भी काम कर रही हैं। इसके बारे में अभी ज्यादा जानकारी पब्लिक नहीं है।

चहल संग तलाक मामले में लोगों पर भड़कीं धनश्री

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इस समय राइज एंड फॉल रियलिटी शो में नजर आ रही हैं। यहां उन्होंने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल संग तलाक और अपने रिश्ते पर बेबाकी से बात रखी है, जिसकी बीते दिनों खूब चर्चा हुई थी। अब एकबार फिर से उन्होंने चहल के साथ डिवोर्स मामले पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वो किसी बात पर नेटिजंस पर भड़कती भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एलिमनी को लेकर भी अपने विचार प्रकट किए हैं।

चहल संग तलाक पर धनश्री ने दी प्रतिक्रिया
राइज एंड फॉल शो से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें धनश्री वर्मा प्रतियोगियों से बातें करती दिख रही हैं। वीडियो में आदित्य नारायण ने धनश्री से चहल संग रिश्ते पर सवाल करते हुए पूछा, 'आपको आधिकारिक रूप से अलग हुए कितने दिन हो गए?' इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक साल हो गया। बाद में किसी ने सवाल किया कि बहुत जल्दी हो गया सब। इस पर डांसर ने कहा, 'वो आपसी सहमित से था, इसलिए जल्दी हो गया।'

एलिमनी मामले पर भड़कीं धनश्री

धनश्री वर्मा ने आगे कहा, 'इसीलिए जब लोग एलिमनी की बात कहते हैं, तो वो गलत है। अगर मैं कुछ नहीं बोल रही हूं, तो इसका मतलब ये नहीं कि लोग कुछ भी उल्टा-सीधा बोलेंगे। लेकिन मेरे माता-पिता ने ये सिखाया है कि आप अपने लोगों को प्रति ही जवाबदेही रखिए, नाकि अन्य लोगों के प्रति।'आपको बताते चलें कि धनश्री और चहल का रिश्ता 2020 में शादी के बंधन में बंधा था। लेकिन कुछ ही वर्षों में दोनो के रिश्ते में दरार पड़ने लगीं और फरवरी 2025 में दोनों का तलाक आधिकारिक रूप से हो गया था।

कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी एकता कपूर?

प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरुआत 'क' शब्द से होती थी। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियल ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया।
अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह कहती हैं, 'मैं ओजी क्वीन हूं 'के ड्रामा' की (क्योंकि... जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूं। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी।'
देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जेन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं।

इस फिल्म की असफलता से टूट गई थीं आलिया

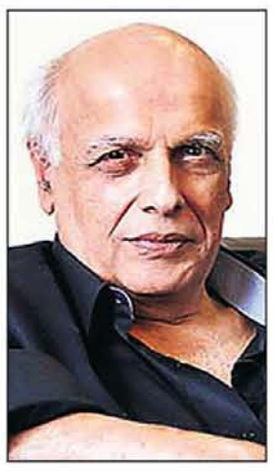

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने साल 2012 में हिट फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद वे हाइवे, 2 स्टेट्स, हम्पी शर्मा की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों कहा हिस्सा बनीं। साल 2015 में उनकी फिल्म आई शानदार। मगर, बॉक्स ऑफिस पर यह कतई शानदार नहीं रही और आलिया के करियर की पहली फ्लॉप साबित हुई। हाल ही में आलिया के पिता और लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट ने खुलासा किया कि इस फिल्म की असफलता ने आलिया को झकझोर कर रख दिया था।
कई हिट के बाद हिस्से आई असफल फिल्म

महेश भट्ट ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में फिल्म शानदार (2015) की असफलता का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता का उन पर लंबे समय तक असर रहा। इस फिल्म में आलिया के साथ शाहिद कपूर नजर आए थे। महेश भट्ट ने कहा, आलिया को जब अपनी पहली असफलता का स्वाद चखना पड़ा, जो कि फिल्म शानदार थी तो वह इससे पूरी तरह हिल गई थी।
यह फ्लॉप फिल्म क्योंकि कई हिट फिल्मों के बाद उसके हिस्से आई। महेश भट्ट ने आगे कहा, भले ही वह बाहर से एक सख्त लड़की हो, लेकिन असफलता तो असफलता ही होती है। उन्होंने कहा कि असफलताएं हमें याद दिलाती हैं कि सितारे भी आम इंसान होते हैं, जिन्हें भी दूसरों की तरह असफलताओं का सामना करना पड़ता है।
हर कलाकार को उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है

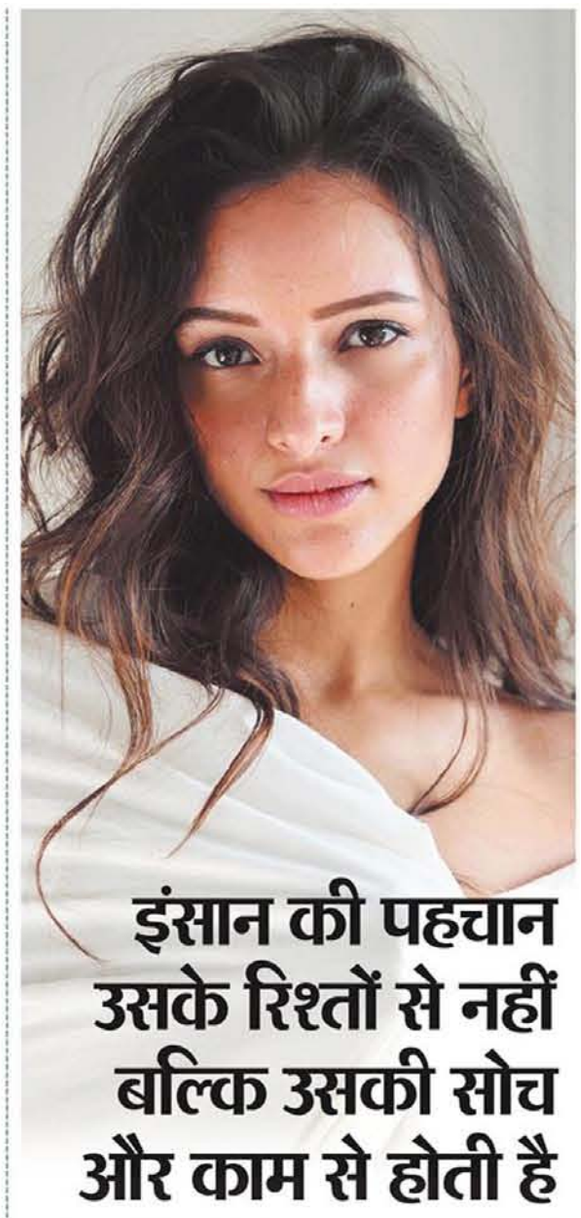

इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी हाल ही में अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। बीते दिनों से लगातार खबरें आ रही थीं कि तृप्ति बिजनेसमैन और मॉडल सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा भी गया है, लेकिन अब तक इस रिश्ते पर कभी खुलकर कुछ कहा नहीं गया था। ऐसे में पहली बार तृप्ति ने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है और ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने कहा कि आज की दुनिया में अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ते में नहीं है तो उसकी जिंदगी अधूरी है। लेकिन उनकी राय अलग है। उन्होंने साफ कहा, रिश्ते में होना कोई मजबूरी नहीं है। अगर कोई सिंगल है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें कोई कमी है। जिंदगी में और भी बहुत कुछ है जिसे हासिल किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए उदास होना कि आपके पास कोई पार्टनर नहीं है, सही सोच नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म बुलबुल की निर्देशक अनविता दत्त ने उन्हें यह सिखाया कि सिंगल होना भी उतना ही सामान्य है जितना रिश्ते में होना। तृप्ति का मानना है कि इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है।

तृप्ति का करियर ग्राफ

तृप्ति डिमरी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लैला मजनूं और बुलबुल जैसी फिल्मों से शुरू हुआ उनका सफर एनिमल जैसी सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा। रणबीर कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा और इसके बाद से ही वह लगातार चर्चा में बनी रहीं। हाल ही में आई धड़क 2 में भी उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी संग अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। तृप्ति अपनी बोल्ड चॉइस और दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती हैं जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी हर तस्वीर और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाते हैं।

कौन हैं सैम मर्चेंट?

सैम मर्चेंट एंटरटेनमेंस इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक समय पर वह मॉडलिंग की दुनिया में काफी लोकप्रिय रहे और इसके बाद उन्होंने बिजनेस में कदम रखा। आज वह एक सफल उद्यमी माने जाते हैं। उनकी लाइफस्टाइल और सोशल सर्कल हमेशा मीडिया की सुर्खियों में रहते हैं। यही वजह है कि जब तृप्ति और सैम को साथ देखा गया तो दोनों के रिश्ते की अटकलें तेज हो गईं।

रीमेक का दौर कभी खत्म नहीं होगा

आमिर खान ने अपने लंबे करियर में अभिनय के साथ सिनेमा को विषय की तरह समझा है। बदलते आयामों और चुनौतियों पर उनकी राय अहम है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने विचार साझा किए...

सिनेमा को पहले मास मीडियम कहते थे, लेकिन क्या आज भी ऐसा है?

सिनेमा को मास मीडियम कहा जा सकता है लेकिन थिएटर जाकर फिल्में देखने को मास मीडियम नहीं कह सकते क्योंकि वहां खर्चा ज्यादा होता है। आमतौर पर लोग थिएटर में ही फिल्म देखते हैं। थिएटर अपनी तरफ से कोशिश कर रहे हैं। जैसे मंगलवार को कम चार्ज करना लेकिन फिर भी लोअर मिडिल क्लास के लोगों के लिए परिवार के साथ देखना मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि ऐसा मॉडल हो, जो हर आदमी को किफायती लगे।

क्या लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी मेकर से बनवानी चाहिए थी ?

नहीं, मुझे लगता है अद्वैत चंदन ने एक अच्छी फिल्म बनाई। हम अद्वैत और पूरी टीम के साथ खड़े हैं और जिस फिल्म को हमने बनाया, उस पर हमें गर्व है। कई लोगों को फिल्म पसंद आई लेकिन उनकी तादाद कम थी। मुझे लगता है कि मैंने अपना परफॉर्मेंस बहुत हाई पिच किया और इसमें मैं असफल रहा।

क्या बहुत पुरानी फिल्मों की रीमेक में भी पोटेंशल है?

लाल सिंह चड्ढा या सितारे जमीन पर मेरी पहली रीमेक नहीं है। मैं पहले ही गजनी समेत 8-10 रीमेक कर चुका हूं। मुझे रीमेक करने में कोई परेशानी नहीं होती। जैसे हम शेक्सपियर के पुराने नाटकों को आज भी नए अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, उसी तरह रीमेक में भी हम मूल कहानी में अपनी रचनात्मकता जोड़ते हैं। रीमेक का दौर सदा रहेगा, चाहे पुरानी फिल्म की बनाई जाए या नई की।

आपके हिसाब से लॉयल ऑडियंस को क्या चाहिए?

देखिए, सिनेमाघरों में जाने वाली मुख्य ऑडियंस आम तौर पर 12 से 22 साल के बीच की होती है। यही वह ग्रुप है जो बड़े पैमाने पर थिएटर को भरता है। इसके बाद लोग जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं, उनके पास समय कम होता है और कई फिल्में वे मिस कर देते हैं। यह भी सच है कि किसी को भी नहीं पता कि युवाओं का क्या चाहिए। किसी के पास इसका कोई तय जवाब नहीं है।

आपका तरीका क्या है स्क्रिप्ट्स चुनने का

मैं कभी यह नहीं सोचता कि ऑडियंस को क्या चाहिए। जब मैं मटेरियल चुनता हूं तो देखता हूं कि यह मुझे कितना टच कर रहा है, मुझे कितना पसंद आ रहा है। एक फिल्म का सफर लगभग 2 साल का होता है और मंजिल तक पहुंचेंगे कि नहीं, यह हमें नहीं पता होता लेकिन सफर अच्छा होना हमारे हाथ में है। इसलिए मैं हमेशा ऐसी फिल्में चुनता हूं और ऐसी कहानियां पसंद करता हूं जो मुझे सच में छूती हैं।

घरवाली-बाहरवाली का कलेश दिखाएगी मस्ती 4

निर्देशक मिलाप जावेरी कॉमेडी ड्रामा फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में चार गुना दोस्ती, मस्ती और कॉमेडी का ब्लास्ट है। टीजर रिलीज के पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा... पहले की थी मस्ती, फिर हुई ग्रैंड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रैंड मस्ती, अब होगी ग़मस्ती 4। इस बार चार गुना शैतानी, दोस्ती और कॉमेडी धमाका। अब केवल आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। इस फ्रेंचाइज की पहली फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई। इसके बाद इसके दो सीक्वल, ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती आए। अब रितेश, विवेक और आफताब की मशहूर तिकड़ी वापस आ रही है। इसमें श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज नोरौजी भी हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर बनाया है। से जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी के साथ बनाया है

गोदावरी मार्केट में सुस्त कार्य मिलने पर जेई का वेतन रोका

नोएडा (चेतना मंच)। गोदावरी मार्केट के नवीनीकरण कार्य में ढिलाई पाये जाने पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने अवर अभियंता का अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश दिये।

दरअसल कल सीईओ ने सेक्टर-37 स्थित गोदावरी मार्केट के नवीनीकरण कार्य एवं सैक्टर-29 ब्रहमपुत्र मार्किट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण के उप महाप्रबन्धक (सिविल) विजय रावल एवं सम्बन्धित वर्क सर्किल-2 एवं विद्युत/यांत्रिकी-3 के वरिष्ठ प्रबन्धकगण उपस्थित रहे।

उन्होंने गोदावरी मार्केट के नवीनीकरण का कार्य की धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की गई तथा निर्देशित किया गया कि कार्य की गति को बढ़ाते हुए शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण किया जाये तथा सम्बन्धित अवर अभियन्ता का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने हेतु निर्देश दिये। इस दौरान गोदावरी मार्केट के सेटबैक की बाउण्ड्री वॉल पर प्लास्टर करने के उपरान्त पेन्ट कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। ब्रहमपुत्र मार्केट के पीछे निर्मित टॉयलेट के सामने जल खण्ड-2 द्वारा सीवर लाईन डाली गई है। जल खण्ड-2 को सीवर लाईन डाले जाने हेतु खोदी गई ट्रेन्च को बंद कर स्थल समतल करने हेतु निर्देशित किया गया। ब्रहमपुत्र मार्केट में अक्रियाशील बॉयोगैस प्लांट को बंद कर फ्लोरिंग करने हेतु निर्देशित किया गया।

ब्रहमपुत्र मार्केट के पीछे नाले के ऊपर बैठे वेण्डर्स एवं ग्राहकों के आने-जाने हेतु कुछ स्थानों पर सीढियाँ बनाये जाने एवं नाले के साथ बनी दीवार के साथ आने वाले ग्राहकों के बैठने की व्यवस्था किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

वर्क सर्किल-3 के एसएम से मिले सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल-3 के सीनियर मैनेजर राजकमल और असिस्टेंट मैनेजर प्रदीप से सेक्टर-51 महासचिव संजीव कुमार द्वारा उनके ऑफिस में मुलाकात करके सेक्टर-51 की मुख्य समस्याओं के विषय में चर्चा की और अनुरोध किया की त्योहारों से पहले सेक्टर-51 के खाली प्लॉट की सफाई, टूटी हुई नालियों की रिपेयर, गेट नंबर-12 के पास कंसेंटीना फेंसिंग और बारात घर में रसोई घर बनवाने के काम को शुरू करवाने हेतु अनुरोध किया गया। जिससे सेक्टर की सुरक्षा व्यवस्था और और गंदगी की समस्या से निजात मिल सकेगी।

ग्रेनो प्राधिकरण को मिला बेस्ट स्टाल का अवार्ड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को हॉल-3 में बेस्ट स्टॉल की कैटेगरी में अवार्ड मिला है। औद्योगिक विकास विभाग उत्तर प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने यह पुरस्कार प्रदान किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के मार्गदर्शन और एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव के नेतृत्व में एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और एसीईओ प्रेरणा सिंह की समिति ने डिजाइन को अफ्रूव्ड किया और प्राधिकरण ने हॉल नंबर-3 में स्टॉल लगाया । स्टॉल में ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर और योजनाओं को बखूबी प्रदर्शित किया गया है। साथ ही आईआईटीजीएनएल की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब, मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब आदि को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। ट्रेड फेयर के विशेषज्ञों की टीम ने सर्वे ग्रेटर नोएडा के डिस्प्ले को सबसे अच्छा पाया, जिसके चलते यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। वहीं , ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्टॉल पर लगे अनोमोरफिक लीड वॉल, वेब स्टैंडी, डायमंड लीड क्यूब, क्रिज और पजल गेम, एआई सेल्फी बूथ, न्यूरो सेंसर कार, वीआर सिमुलेटर गेम, लाइव मग पेंटिंग, का युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 29 सितंबर इस ट्रेड फेयर का अंतिम दिन है।

डांडिया नाईट में झूमा सेक्टर-34

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित कम्यूनिटी सेंटर में फ़ेडरेशन ऑफ़ निवासियों ने खूब गरबा और डांडिया खेला।

आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा आयोजित डांडिया नाइट कार्यक्रम में लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। इसमें करीब तीन हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। गरबा तथा बॉलीवुड के गानों पर सेक्टर फ़ेडरेशन आरडब्लूए महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया की नवरात्रि के शुभ मौके पर नेचर विलेज जिम कॉर्बेट और क्लीयरमेडी अस्पताल के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता रानी के गरबे से हुई। इसके बाद ग्रुप डांडिया शुरू हुआ। इसमें सेक्टर निवासियों ने शानदार ग्रुप बनाकर फ्लोर पर धमाल मचाने शुरू कर दिया। देखते ही देखते कम्युनिटी सेंटर का गार्डन लोगों से खचाखच भर गया। इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज देवेन्द्र वत्स डॉ डी महापात्र

नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों की प्रस्तुति के बाद रॉयडन दा बैंड द्वारा लाइव प्रस्तुति से डांडिया का आगाज हुआ। गरबा के गाने शुरू होते ही निवासियों ने दीपाली पसारी सुधीर चौधरी प्रदीप सिंह सुशांत भल ओमेन्द्र कुमार संजीव महतो एस के सिंघल जगदीश जोशी शेखर शर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

लैंगिक समानता पर छात्रों ने किया नुक्कड़ नाटक

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग, गौतमबुद्धनगर द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ब्लॉक बिसरख स्थित विनोबा इंटर कॉलेज में छात्राओं द्वारा लैंगिक समानता विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हब टीम से डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी, जेंडर स्पेशलिस्ट सुनीता, कॉलेज के प्रिंसिपल वीरेंद्र सिंह, वाइस प्रिंसिपल दिनेश तथा समस्त अध्यापक उपस्थित रहे। छात्राओं की प्रस्तुति ने समाज में महिला-पुरुष समानता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से जन-जन तक पहुँचाया।

इसके साथ ही, जिले में आयोजित नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का संदेश प्रसारित करना रहा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित यह विशेष अभियान 30 दिनों तक पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। इस अवधि में महिला कल्याण विभाग विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, गोष्ठियाँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित कर रहा है, ताकि समाज में सकारात्मक सोच और संवेदनशीलता का वातावरण निर्मित हो सके।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

2 अक्टूबर से रालोद निकालेगी एकता यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी स्थित नई आबादी में राष्ट्रीय लोकदल पार्टी का अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का सदस्यता अभियान कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में घोषणा की गई कि रालोद 2 अक्टूबर को गांधी जयंती से 31 अक्टूबर तक एकता यात्रा निकालेगी जिससे देश में एकता का संदेश दिया जाएगा। सदस्यता अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक चंद त्यागी, दिलनवाज (पूर्व (विधायक) प्रदेशअध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) मौजूद रहे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने शम्मी मलिक को जिला अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) गौतमबुद्धनगर की नई जिम्मेवारी दी। इस मौके पर श्री त्यागी ने कहा कि हमारी पार्टी भाईचारा वाद पार्टी है सभी जाति में धर्म का सम्मान करने वाली पार्टी है। 2 अक्टूबर गांधी जयंती से एकता यात्रा शुरुआत होकर वल्लभ भाई जयंती 31 अक्टूबर 2025 तक सभी जिलों में पदयात्रा की जाएगी।उन्होंने कहा कि आज आई लव यू मोहम्मद देश में प्रकरण चल रहा है हम सभी देवी देवता एवं पैगंबरों की प्रार्थना करते हैं कुछ लोग अपनी पार्टी के नेताओं को आई लव यू कह रहे हैं देवी देवता एवं पैगंबरों की लोग बराबरी नहीं कर सकते।

इस मौके पर मारूफ अली जनार्दन भाटी जिला अध्यक्ष विनय प्रधान दिलप्रीत सिंह श्रीमती प्रियंका अत्रि श्रीमती रूबी जादौन आजाद मलिक श्रीमती रिजवाना मेवाती निशांत भाटी फखरुद्दीन कोटिया जसवीर भाटी धर्मेंद्र शर्मा फजलु सिद्दीकी सदर) हाजी यामीन फखरुद्दीन मलिक इमामुद्दीन मलिक इस्लामुद्दीन सिद्दीकी हसमुद्दीन सिद्दीकी उस्मान सिद्दीकी राशीद मेवाती नूरशेर मेवाती हाजी मोहम्मद अली फारुकी शारूक अब्बासी यूनुस मलिक इमामुद्दीन मेवाती इमामुद्दीन सैफी आदि सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पक्षियों के लिए बनाया सुंदर बसेरा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की सामाजिक संस्था

लोकमंच ने पक्षियों के लिए बसेरे का निर्माण करवाया है। 694 पक्षियों के लिए निर्मित बसेरों का शुभारंभ अंतिम निवास, सेक्टर-94 प्रांगण में सोमवार को किया गया।

इस पक्षी निवास का निर्माण पक्षियों को सुरक्षित घर और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोकमंच द्वारा करवाया गया है। इस कार्य को अशोक गेरा, दर्शन गेरा एवं सुरेन्द्र गेरा द्वारा निर्माण कराया गया है। इस अवसर पर हवन भी किया गया। इस मौके पर अशोक गेरा, दर्शन गेरा, मोहित गेरा, सुरेन्द्र गेरा, सुनील गदोक, महेश सक्सेना, विभा बंसल, लीका सक्सेना, आर.एन. श्रीवास्तव, जयश्री श्रीवास्तव, मुकुल बाजपेयी, अल्का चौहान, हर विलास जी, राजेन्द्र, सुभाष सिंगल, मुक्ता गुप्ता, आशु सक्सेना, एस.के. जैन, दिनेश, अनिल सक्सेना, राजेश श्रीवास्तव, डॉ. नन्दन प्रकाश, दीपक दावर, अरविन्द्र चौहान, विजय श्रीवास्तव, पंडित उदित नारायण मिश्रा, हरीश मिश्र, आईएएस स्तुति कक्कड़, वेद प्रकाश गुप्ता, गिरजा सिंह, लुबना, गौरव दुबे,रूपेश सिंह, अशोक शर्मा, राकेश कुमार, रोबिन, सविता, सरिता, सुनील, पावन झा आदि मौजूद रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com